RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 142 , रविवार, 05 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

महाविद्यालय स्तरीय रेड रन प्रतियोगिता संपन्न, जिला स्तर के लिए 10 प्रतिभागी चयनित 03

युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने का दिया गया संदेश 04

दादू-नानू की याद आ गई, इम्तियाज अली की मैं वापस आऊंगा देखने... 07

संकट के समय दिखा भारत की डिप्लोमेसी का जलवा

● 40 से ज्यादा देशों से आया ईंधन,पीएम ने विपक्ष को खूब सुनाया ● पश्चिम एशिया संकट का जिक्र कर विपक्षी दलों को सिखाया सबक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के पचपदरा में भारत के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिमी एशिया युद्ध से पैदा हुए ऊर्जा संकट का जिक्र करते हुए कहा कि इसी समय में भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई। प्रधानमंत्री मोदी ने पचपदरा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिमी एशिया में युद्ध के कारण पूरी दुनिया में हाहाकार मचा है। इस युद्ध ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया है। हालांकि, सही फैसले, सटीक आंकलन, प्रभावी रणनीति और कूटनीतिक शक्ति का सकारात्मक इस्तेमाल करके भारत संकट से उबर पाया है।

● **पीएम मोदी ने किया दूसरे देशों से दोस्ती का जिक्र-** अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध के समय में

भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई। उन्होंने कहा कि जब ये संकट शुरू हुआ था, उससे पहले भारत 25-26 देशों से ईंधन का आयात करता था, लेकिन संकट के समय भारत की डिप्लोमेसी का जलवा दिख गया। दूसरे देशों के साथ हमारे अच्छे संबंध इस संकट की घड़ी में बहुत काम आए। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान ही भारत 40 से ज्यादा देशों से ईंधन मंगाने लगा। भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि हमारे लिए राष्ट्रहित और राष्ट्र के नागरिकों का हित सर्वोपरि है।

● **बहुत अफवाहें फैलाई गई, लोगों को डराया गया-** इसी बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर ईंधन संकट के बीच अफवाह फैलाने और राजनीतिक खेल खेलने के आरोप लगाए। विपक्ष पर इशारों-इशारों पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि बहुत अफवाहें फैलाई गई, लोगों को डराया गया, भड़काया गया, राजनीति के खेल खेले गए। लेकिन जिनके इरादे गलत थे, वो सफल नहीं हो पाए। दूर-सुदूर इलाकों में भी छोटी मोटी अड़चनों के अलावा ईंधन सप्लाई में कोई बड़ी चुनौती नहीं आई।

● **पीएम मोदी ने जताया जनता का आभार-** पीएम मोदी ने इस दौरान देश की जनता का आभार भी प्रकट किया। उन्होंने कहा कि आज, मैं 140 करोड़ देशवासियों का आभार प्रकट करता हूं और उन्हें धन्यवाद कहता हूं। जिस तरह वे इस मुश्किल समय में देश के साथ मजबूती से खड़े रहे, जिस तरह देशवासियों ने अफवाह, डर और भ्रम फैलाने वालों का सामना किया। देश में अस्थिरता फैलाने की साजिशों को नाकाम किया, देश उसी विश्वास के भरोसे आगे बढ़ पाया है।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने रोड शो में लहराई तलवार

● मुस्लिम महिलाएं भी शामिल हुईं,बुलडोजर से पहनाई 25 फीट की माला

लखनऊ (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को लखनऊ में रोड शो किया। एयरपोर्ट से भाजपा प्रदेश मुख्यालय तक 18 किलोमीटर लंबा यह रोड शो सुबह 11.20 बजे

शुरू हुआ और दोपहर 1.55 बजे समाप्त हुआ। एयरपोर्ट से निकलने के बाद वह प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ विशेष रथ पर सवार होकर रोड शो के लिए रवाना हुए। पूरे मार्ग में जगह-जगह कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया और जमकर नारेबाजी की। रोड शो के दौरान नितिन नवीन ने समर्थकों का अभिवादन भी किया।

बाराबंकी में हाईवे पर बनेंगे दो ओवरब्रिज और 2 अंडरपास

लखनऊ-अयोध्या राजमार्ग पर 170 करोड़ खर्च करेगी सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क हादसों में अंकुश व स्थानीय लोगों के सुरक्षित आवागमन के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) जल्द काम शुरू करने जा रहा है। जिले की सीमा में हाईवे पर दो ओवर ब्रिज और दो अंडर पास बनाने की तैयारी अंतिम

चरण में है। सभी औपचारिकताएं समय से पूरी हो गईं तो अक्टूबर माह से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। जिसका बजट 170 करोड़ बताया जा रहा है। करीब एक वर्ष पहले बनी इस परियोजना में चार ऐसे स्थानों को चिह्नित किया गया है, जहां लगातार बढ़ते यातायात और सड़क पार करने के दौरान होने वाले हादसों को देखते हुए स्थायी समाधान की जरूरत महसूस की गई थी। योजना के तहत सफेदाबाद और सफदरगंज चौराहा पर ओवर ब्रिज बनाए जाएंगे।

खामेनेई की विदाई में काले कपड़े पहने पहुंचे लाखों लोग

खून बहेगा, बदला-बदला के नारे लगाए,ट्रम्प बोले-ईरान को एक हफ्ते की छुट्टी दी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई को आखिरी विदाई देने के लिए शनिवार को लाखों लोग तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में जुटे हैं। शिया परंपरा के मुताबिक काले कपड़े पहने लोग छाती पीटकर मातम मनाते दिखे।

इस दौरान लोगों ने 'खून बहेगा', 'अमेरिका मुर्दाबाद' और 'बदला, बदला' जैसे नारे भी लगाए। तेहरान में 3 जुलाई से खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़ी रस्में शुरू हो गई हैं जो 9 जुलाई तक चलेगी। कल शुक्रवार को कार्यक्रम में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। हालांकि रूस, चीन, भारत और तुर्किये जैसे देशों के टॉप लीडर्स ने इससे दूरी बरती। ईरान की तरफ से न्योता भेजे जाने के बावजूद इन्होंने अपने निचले स्तर के प्रतिनिधियों को भेजा।

5 महाद्वीप चाहते हैं संघ उनके कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग दे

● नागपुर में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दिया बड़ा बयान

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ के चरित्र निर्माण के मॉडल ने दुनिया भर में दिलचस्पी पैदा की है। भारत और पांचों महाद्वीपों से लोग यह पूछने आ रहे हैं कि क्या आरएसएस कार्यकर्ता उन्हें ट्रेनिंग दे सकते हैं। वे अपने देशों में युवाओं को इसी तरह की मूल्यों पर आधारित ट्रेनिंग देना चाहते हैं। आरएसएस प्रचारकों के जीवन और योगदान को दिखाने वाली सीरीज के 100वें वीडियो के लॉन्च पर बोलते हुए मोहन भागवत ने यह बात कही। आरएसएस चीफ ने कहा कि संघ का मिशन सिर्फ अच्छे चरित्र वाले लोग बनाने से कहीं आगे तक जाता है। उन्होंने कहा कि यह सफर अभी जारी है। अभी बहुत दूर जाना है। संघ का काम सिर्फ चरित्र निर्माण का उदाहरण पेश करने तक सीमित नहीं है।

● **किताबें पढ़कर या लेक्चर सुनकर नहीं समझ सकते सिद्धांत-** मोहन भागवत ने कहा कि संघ के सिद्धांतों को सिर्फ किताबें पढ़कर या लेक्चर सुनकर नहीं समझा जा सकता, बल्कि उन्हें जीवन में उतारकर ही समझा जा सकता है। उनके अनुसार, स्वयंसेवक का मुख्य गुण सिर्फ सक्रियता नहीं, बल्कि एक संगठित, अनुशासित और मूल्यों पर आधारित जीवन जीना है। उन्होंने इस धारणा को भी गलत बताया कि संघ अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले संगठनों को सीधे तौर पर नियंत्रित करता है। मोहन भागवत ने कहा कि संघ में ट्रेनिंग पाने वाले स्वयंसेवक समाज की जरूरतों के हिसाब से अलग-अलग क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से काम करते हैं, जबकि संघ खुद चरित्र व अनुशासन सिखाता है।

बंगाल में ममता की टीएमसी को एक और झटका

कोलकाता (एजेंसी)। विधायक और सांसदों की बगावत से जूझ रही ममता बनर्जी को एक और तगड़ा झटका लगा है। पूर्व सीएम की करीबी चंद्रिमा भट्टाचार्य ने शनिवार को पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। विधायक दल के दो टुकड़े होने के बाद 3 जून को ममता बनर्जी ने चंद्रिमा भट्टाचार्य को पश्चिम बंगाल टीएमसी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया था। वह ममता बनर्जी की करीबी नेताओं में शुमार थीं। उनका इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब बागी गुट ने पार्टी ऑफिस पर कब्जा कर लिया है। चंद्रिमा ममता बनर्जी की सरकार में स्वास्थ्य और वित्त जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाल चुकी हैं। टीएमसी की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने अपने इस्तीफे के पत्र में लिखा है कि वह राज्य अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा दे रही हैं।

हर दिन 8 लाख रुपए के दान की हो रही थी चोरी!

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर दान चोरी मामले में आए दिन नए खुलासे हो रहे हैं। इस बीच चढ़ावा चोरी को लेकर भी कई चौंकाने वाली बातें सामने आ रही है। सूत्रों की मानें तो पुलिस पूछताछ में ले जाता था। हालांकि, टिन्नू इसमें दबाव भी बनाता था। अविनाश ने इसी रकम से कार खरीदी, गांव वाला घर बनाया और अपने साथ भाई को भी खूब पैसे दिए।

रोजाना 6 से 8 लाख रुपये

● बाग में होता था मंदिर में चढ़ावे की रकम का बंटवारा ● राम मंदिर दान मामले में हर रोज हो रहे हैं नए खुलासे

अविनाश ने कई बातें पुलिस को बताई हैं। जो चढ़ावा चोरी किया जाता था, उसका बंटवारा 14 कोसी परिक्रमा मार्ग पर भीखापुर के निकट एक बाग में बंटवारा होता था। पुलिस ने उससे उस जगह को चिह्नित कराया। पुलिस टीम आरोपी को विवेचक आशुतोष त्रिपाठी के नेतृत्व में कौशलपुरी स्थित श्याम साधनालय योग केंद्र के किराये के कमरे में लेकर पहुंची थी। सूत्रों की मानें तो पुलिस को अविनाश ने बताया कि जो भी रकम सभी लोग मिलकर पार करते थे, वह बराबर हिस्सों में बांटी जाती थी। कभी-कभार कोई अधिक

की दानराशि में अनियमितताः पुलिस जांच में ये बात भी सामने आई है कि अविनाश शुक्ला की भर्ती की सिफारिश अनिल मिश्रा ने की थी। लेकिन वह किसी के जरिये अनिल मिश्रा तक पहुंचा था, अब पुलिस इसका पता लगा रही है। सूत्रों की मानें तो चढ़ावा चोरी की जांच के बीच एक महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, चोरी का मामला उजागर होने से पहले प्रतिदिन राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बैंक खातों में औसतन 16 से 18 लाख रुपये दान के रूप में जमा हो रहे थे।

भारी बारिश से महाराष्ट्र-गुजरात पानी-पानी

● महाराष्ट्र के भिवंडी में 3 फीट पानी भरा,दुकानें बंद ● गुजरात में भीषण बाढ़,उन्नीस लोगों का रेस्क्यू किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। मानसून देश के लगभग सभी राज्यों में पहुंच चुका है। राजस्थान-गुजरात के कुछ हिस्से बाकी हैं, हालांकि उससे पहले गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। गुजरात के मेंडरडा इलाके में समधियाला गांव के पास बाढ़ के पानी में चार गाड़ियां फंस गईं। जिसमें से 19 लोगों का रेस्क्यू किया गया। उधर महाराष्ट्र के भिवंडी में बाजार में करीब 3 फीट तक पानी भर गया। दुकानें बंद हो गईं। लोग कमर तक डूबकर सड़क पार कर रहे हैं।

राजस्थान के जयपुर में तेज बारिश के बाद सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के माइनर ओटी में पानी भर गया। यहां से मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया। मध्य प्रदेश के भोपाल-इंदौर समेत 26 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई। उज्जैन में पुलिया पार करने की कोशिश में युवक मोटरसाइकिल समेत बह गया। यूपी के 20 जिलों में बारिश हुई। कानपुर में मेडिकल कॉलेज में पानी भर गया। कारें-बाइक आधी डूब गईं। वहीं जम्मू-कश्मीर में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड के चलते रामनगर-उधमपुर रोड बंद कर दी गई।

भारी बारिश के चलते बाइक पर पेड़ गिरा, दो घायल- मुंबई के ठाणे शहर के कलवा इलाके में शनिवार सुबह भारी बारिश के दौरान दो-पहिया वाहनों पर पेड़ गिरने से दो लोग घायल हो गए। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि यह घटना खारेगांव नाका पर हुई।

बंगाल कई जिलों के लिए रेड वॉर्निंग

बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया बना है। भारत के मौसम विज्ञान विभाग ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना और पूर्व मेदिनीपुर जिलों के लिए रेड वॉर्निंग जारी की। यह कलर-कोडेड वॉर्निंग का सबसे ऊंचा स्तर है। विभाग ने झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर और हावड़ा के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया और लोगों से खराब मौसम के लिए तैयार रहने को कहा। साथ ही, चेतावनी दी कि रविवार को हालात और बिगड़ सकते हैं। राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन को बारिश से जुड़ी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है।

जिस बाथरूम में दफन थी पति की लाश, वहीं नहाती रही रूबी

आगरा केस की छिपी कहानी,पति की हत्या करके बाथरूम में दफनाया,फर्श बनवाया

आगरा (एजेंसी)। आगरा में महिला ने पति की हत्या कर शव को घर के बाथरूम में दफना दिया। ऊपर से फर्श बनवा दी और उसी बाथरूम में रोजाना नहाती रही। 45 दिनों तक पुलिस और घरवालों को गुमराह किया। जांच के दौरान महिला पुलिस के साथ सीसीटीवी फुटेज देखती रही और रोने का नाटक करती रही। महिला के जेठ को उसके व्यवहार से शक हो गया। उसने महिला से कहा कि अगर कोई परेशानी हो तो वह साथ देगा। इसके बाद महिला ने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बाथरूम का फर्श तोड़ा, जहां से केवल कंकाल बरामद हुआ। महिला ने पुलिस को बताया कि उसका पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता था। इसी वजह से उसने खीर में 18 से ज्यादा नींद की गोलियां मिलाकर पति को खिला दीं, जिससे उसकी मौत हो गई। मैंने जेठ को फोन कर राजस्थान से बुलाया, लेकिन उन्हें घर के अंदर नहीं आने दिया। मैं दोनों बच्चों और सास को घर से करीब 100 मीटर दूर ले गई और

वहीं से तीनों को जेठ के साथ भेज दिया। इसके बाद शव को कमरे से खींचकर बाथरूम में ले गई और गड्ढा खोदकर दफना दिया। जेठ को बताया कि पति उससे झगड़ा कर 5 हजार रुपए लेकर चला गया है। फिर खुद भी राजस्थान चली गई। 8 दिन बाद लौटकर आई और मजदूर बुलवाकर बाथरूम में फर्श बनवा दी। सुरेंद्र शर्मा मूल रूप से राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले थे। वे आगरा में पत्नी,बच्चों के साथ रहते थे।

पति की हत्या करके बच्चों-सास को राजस्थान भेजा

राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले सुरेंद्र कुमार शर्मा (44) सिकंदरा के दहतोरा स्थित रेणुका धाम कॉलोनी में रहते थे। उनकी शादी साल 2010 में रूबी से हुई थी। रूबी इटावा की रहने वाली है। उनकी दो बेटियां रिद्धी (13) और सिद्धी (9) हैं। सुरेंद्र के साथ उनकी मां कमला भी रहती थीं। उन्हें आंखों से कम दिखाई देता है। उनके पिता राधेश्याम शर्मा शिक्षक थे। उनकी कुछ साल पहले मौत हो चुकी है। बड़े भाई अनिल शर्मा ने बताया कि सुरेंद्र और रूबी के बीच अनबन रहती थी। 18 मई की सुबह 9-10 बजे रूबी का उनके पास फोन आया था। वह कह रही थी कि घर में पुलिस का कोई केस बन गया है, आप मम्मी और दोनों बच्चों को यहां से ले जाओ। मैंने उससे पूरी बात पूछी, लेकिन उसने कुछ बताया नहीं, बस तीनों को ले जाने के लिए कहा। रूबी ने यह भी कहा कि घर मत आना, मैंने तीनों को पास की दुकान पर बैठा दिया है, वहीं से ले जाना। मैं भरतपुर से आनन-फानन में आगरा पहुंचा और बच्चों और मां को लेकर आगरा आ गया। मैं तीनों को लेकर घर पहुंचने वाला था, तभी रूबी का फिर से फोन आया। तब उसने कहा कि सुरेंद्र ताला खुलवाकर पैसे ले गया।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में ओवरलोड हाइवा को लेकर विवाद, सरकारी कार्रवाई में इंटरफेयर

हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर में ओवरलोड हाइवा को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। यह मामला केवल ओवरलोडिंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सरकारी कार्रवाई में कथित हस्तक्षेप, जब्त वाहन को छुड़ाने की कोशिश और परिवहन विभाग के अधिकारियों को धमकाने तक पहुंच गया है। परिवहन विभाग की टीम ने जांच के दौरान छाई (राख) लदे एक हाइवा को पकड़ा था, जिसका टैक्स भी फेल पाया गया। बताया गया कि गाड़ी पकड़े जाने पर चालक ने मौके पर मौजूद परिवहन दरोगा के साथ कथित तौर पर बदसलूकी की। इसके बाद वाहन को बूबना धर्मकांटा ले जाकर तौला गया, जहां उसमें करीब 6 टन अधिक छाई लदी होने की पुष्टि हुई। नियमों के तहत परिवहन दरोगा ने वाहन को जब्त कर परिवहन कार्यालय के समीप खड़ा कराया और उसकी चाबी कार्यालय में जमा करा दी। आरोप है कि इसके बाद कथित इंट्री माफिया सक्रिय हो गए। अधिकारी पर दबाव और धमकी देने के बावजूद जब वाहन छोड़ने से इनकार किया गया, तो बिना विभागीय अनुमति के जब्त हाइवा से छाई नीचे गिरा दी गई। इसके बाद दूसरी चाबी का इस्तेमाल कर वाहन को दूसरे धर्मकांटा पर ले जाकर दोबारा तौल कराया गया, ताकि उसे अंडरलोड दिखाया जा सके। साथ ही, परिवहन दरोगा पर पैसे की उगाही का आरोप भी लगाया गया। इस पूरे मामले में परिवहन दरोगा ने इंट्री मैन धीरज प्रसार और वाहन मालिक के खिलाफ अपने वरीय अधिकारियों को सूचना देते हुए औद्योगिक थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि 30 जून की सुबह करीब 4 बजे इंट्री मैन और वाहन मालिक जब्त हाइवा को लेकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही परिवहन दरोगा ने गंगा ब्रिज के पास वाहन को दोबारा पकड़ लिया और आगे की कार्रवाई के लिए उसे सदर थाना के सुपुर्द कर दिया।

मंत्री संजय सिंह का वाट्सएप्प अकाउंट हैक

हाजीपुर। बिहार सरकार के पीएचईडी मंत्री संजय सिंह का व्हाट्सएप अकाउंट हैक हो गया है। हैकर्स उनके नंबर का इस्तेमाल कर लोगों से ऑनलाइन 36 हजार की मांग कर रहे हैं। मंत्री संजय सिंह ने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी कर इस बात की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि उनके व्हाट्सएप नंबर से लोगों को संदेश भेजे जा रहे हैं, जिनमें वित्तीय सहायता के रूप में 36 हजार मांगे जा रहे हैं। मंत्री ने आम जनता से अपील की है कि उनके नंबर से आने वाले किसी भी पैसे की मांग वाले संदेश पर विश्वास न करें और कोई भी वित्तीय लेनदेन न करें। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस मामले की सूचना संबंधित अधिकारियों को दे दी गई है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। संजय सिंह ने लोगों से इस जानकारी को अधिक से अधिक साझा करने का आग्रह किया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति इस प्रकार की साइबर ठगी का शिकार न हो।

गंगा स्नान में वृद्धा की डूबने से मौत, एसडीआरएफ ने 3 घंटे बाद शव बरामद किया

हाजीपुर। वैशाली में बिदुपुर थाना क्षेत्र के नवानगर स्थित गंगा नदी में स्नान के दौरान 75 वर्षीय वृद्धा भूली देवी की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ और पुलिस ने लगभग तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उनके शव को बरामद किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, भूली देवी सुबह टोटो से गंगा स्नान करने आई थीं। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। यह देख वहां मौजूद तीर्थयात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।परिजनों ने तत्काल पुलिस और एसडीआरएफ को घटना की सूचना दी। राहत दल ने नाव और रस्सियों की मदद से करीब तीन घंटे तक खोजबीन की, जिसके बाद शव को नदी की धारा से बाहर निकाला जा सका। शव मिलते ही परिजनों में मातम छा गया।मृतका के भतीजे ने बताया कि चाची स्नान करने गई थीं, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि यह उनका आखिरी स्नान होगा। बिदुपुर थानाध्यक्ष ने जानकारी दी कि प्राथमिक जांच में मौत डूबने से हुई प्रतीत होती है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है। भूली देवी अपने पीछे दो बेटों और कई पोते-पोतियों को छोड़ गई हैं। स्थानीय लोगों ने नदी में गहराई बढ़ने और तेज बहाव की आशंका जताते हुए प्रशासन से स्नान स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और गोताखोरों की तैनाती की मांग की है। इसके जवाब में प्रशासन ने लोगों को गहरे पानी में जाने से बचने और सतर्क रहने की सलाह दी है।

गवाही से पहले मंदिर में दुकानदार का मर्डर

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में शनिवार सुबह अपराधियों ने एक दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी। 46 साल के राम कुमार कुशवाहा रोज की तरह मंदिर गए थे। पहले से घात लगाए बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। उन्हें 2 गोली लगी। एक सीने में, दूसरी बांह में। घटनास्थल से 3 खोखे मिले हैं। राम कुमार जमीन विवाद में आज कोर्ट में गवाही देने वाले थे। इससे पहले गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। घटना के बाद परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र के डेरा चौक बाजार की है। चश्मदीदों के मुताबिक, शनिवार सुबह के करीब 7 बजे थे। राम कुमार मंदिर में पूजा कर रहे थे। इसी दौरान 2 की संख्या में अपराधी आए पिस्टल निकाली और फायरिंग करने लगे। अपराधियों ने करीब 2 फीट दूर से गोलियां चलाईं। गोली लगने के बाद राम कुमार कुशवाहा लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी हथियार लहराते हुए मौके से बड़ी आसानी से फरार हो गए। गोली लगने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से मेडिकल कॉलेज लाया गया। जहां चेकअप के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही सिवाईपट्टी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है। SSP कांतेश कुमार मिश्रा ने कहा कि शुरुआती जांच के आधार पर मामला कारोबार या जमीनी रंजिश से जुड़ा समझ आ रहा है। परिवार और आसपास के लोगों से बाद की जा रही है। अपराधियों की पहचान करने के लिए सघन छापेमारी जारी है। श्याम सुंदर प्रसाद उर्फ श्याम कुमार कुशवाहा पर मारपीट सहित कई धाराओं में 3 मामले दर्ज हैं। जमीन विवाद के 2 केस कोर्ट में चल रहे हैं। आपसी रंजिश की बात सामने आ रही है। पुलिस भी आपसी रंजिश वाले एंगल से जांच कर रही है।

राजू सिंह को 4 साल की सजा, फार्म हाउस में फायरिंग में हुई थी मौत, 25 लाख मुआवजा देना होगा, विधायकी जाएगी

मुजफ्फरपुर। बिहार के साहेबगंज से BJP विधायक राजू सिंह को कोर्ट ने शनिवार को 4 साल की सजा सुनाई है। 7 साल पहले दिल्ली में न्यू ईयर पार्टी के दौरान हुई हर्ष फायरिंग में डॉ. अर्चना गुप्ता की मौत हुई थी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में विधायक को गैर इरादतन हत्या दोषी पाया है। कोर्ट ने पीड़ित परिवार को 25 लाख का मुआवजा देने को भी कहा है। राजू कुमार सिंह को 4 साल की सजा हुई है। अब उनकी विधायकी जानी भी तय है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा 8 (3) के तहत अगर किसी सांसद या विधायक को किसी भी आपराधिक मामले में 2 साल या उससे अधिक की जेल की सजा सुनाई जाती है, तो उसकी सदस्यता अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने की तिथि से तत्काल प्रभाव से रद्द हो जाती है। शुक्रवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष MP-MLA कोर्ट ने सजा के बिंदु पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। विधायक ने अदालत से नरमी बरतने की अपील करते हुए कहा कि घटना जानबूझकर नहीं हुई और उनके अब तक के सामाजिक आचरण को देखते हुए उन्हें कम से कम सजा दी जाए। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने सजा का ऐलान किया। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने अदालत से विधायक के प्रति नरमी बरतने की अपील की। इस दौरान राजू कुमार सिंह ने कहा कि जिनकी (डॉ. अर्चना गुप्ता) मौत हुई, वह उनके बड़े भाई के दोस्त की पत्नी थीं और परिवार उन्हें भाभी की तरह मानता था। इस घटना में उनके अपने परिवार ने भी एक करीबी सदस्य को खोया है।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए 'भारत रत्न' की मांग

एजेंसी, पटना

पटना में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 20 वर्षों के शासनकाल को ऐतिहासिक बताते हुए बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए हैं। इस पोस्टर में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित करने की मांग भी की गई है। पोस्टर में लिखा है- "नीतीश सेवक मांग रहा है... अब 'भारत रत्न सम्मान'।" इसके साथ ही पोस्टर में पहली बार 'मिशन विकसित बिहार-2040' और निशांत कुमार को लेकर भी कई राजनीतिक संदेश दिए गए हैं।

20 साल के कार्यकाल को बताया 'जनसेवा की स्वर्णिम मिसाल': पोस्टर में लिखा गया है कि "20 साल बेमिसाल... जनसेवा की स्वर्णिम मिसाल..."। इसके साथ दावा किया गया है कि

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने दो दशक के शासन में बिहार को एकता, न्याय और समावेशी विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है। पोस्टर में यह भी लिखा गया है कि उन्होंने इन क्षेत्रों में "विश्व कीर्तिमान" स्थापित किया है। पोस्टर के माध्यम से यह संदेश देने

♦ पटना में लगाए पोस्टर, निशांत को बताया 'फ्यूचर लीडर ऑफ बिहार', मिशन विकसित बिहार-2040 का भी जिक्र

की कोशिश की गई है कि पिछले 20 वर्षों में बिहार में विकास, कानून व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है।

'निशांत कुमार' को लेकर भी दिया बड़ा राजनीतिक संदेश: पोस्टर की एक और खास बात यह है कि इसमें पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे निशांत कुमार को लेकर भी कई संदेश लिखे गए हैं। पोस्टर में लिखा गया है— "तीर निशान! तकदीर निशांत!!" वहीं, निशांत कुमार को 'फ्यूचर लीडर आफ बिहार' बताया गया है। इसके अलावा नीचे "निशांत निश्चय" और "नीतीश जी का मिशन अधूरा... निशांत कुमार ही करेंगे पूरा..." जैसे नारे भी प्रमुखता से दिए गए हैं।

पोस्टर में "मिशन विकसित बिहार-2040" का जिक्र: पोस्टर में "मिशन विकसित बिहार-2040" का भी उल्लेख किया गया है। इससे यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार को दीर्घकालिक विकास के रास्ते पर ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है।

24 घंटे बाद बिहार में भारी बारिश की संभावना, अब तक 50% कम बरसात

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून की एंट्री के बाद भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। शनिवार को सुपौल के नगर पंचायत निर्मली स्थित कन्या मध्य विद्यालय में उमस भरी गर्मी की वजह से 4 छात्राएं बेहोश हो गईं। बच्चियों की तबीयत बिगड़ते ही स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। शिक्षकों ने तत्काल उन्हें पास के निजी क्लिनिक में इलाज के लिए पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं, बगहा में दोपहर 1 बजे बाद मौसम बदला और तेज बारिश हुई। मौसम विभाग की माने तो 5 जुलाई के बाद पूरे बिहार में मानसून फिर एक्टिव होगा। हैवी रेन का अलर्ट भी जारी किया गया है। अभी पटना समेत कई जिलों का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास या इसके ऊपर ही रहेगा।

बारिश नहीं होने के कारण दिन में उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करेगी। अधिकतम तापमान में भी 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। ऐसे में दोपहर के समय गर्मी का असर पहले से अधिक महसूस किया जा सकता है।

मानसून की चाल क्यों पड़ गई धीमी: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बिहार में मानसून पूरी तरह सक्रिय नहीं हो पाया है। मानसूनी सिस्टम कमजोर रहने और बंगाल की खाड़ी से पर्याप्त नमी नहीं मिलने के कारण राज्य में व्यापक बारिश नहीं हो रही है। फिलहाल कोई मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम या ट्रफ लाइन बिहार के पक्ष में सक्रिय नहीं है। यही वजह है कि मानसून की गति धीमी बनी हुई है और अधिकांश जिलों में अच्छी बारिश का इंतजार जारी है। इस मानसून सीजन में अब तक बिहार में सामान्य से काफी कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 1 जून से 3 जुलाई तक राज्य में लगभग 196.1 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन अब तक केवल 98.4 मिलीमीटर वर्षा ही रिकॉर्ड की गई है। यानी राज्य में अब तक सामान्य से करीब 50 प्रतिशत कम बारिश हुई है। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक 20.2 मिमी बारिश मुंगेर में हुई।

जेड सिक्योरिटी वापस मिलने पर बोले लालू-सरकार बैकफुट पर है

एजेंसी, पटना

राजद सुप्रीमो लालू यादव और पूर्व सीएम राबड़ी देवी को Z कैटेगरी की सुरक्षा फिर से बहाल कर दी गई है। इसके साथ ही दोनों को बुलेट प्रूफ गाड़ी भी मुहैया कराई गई है। इसको लेकर बिहार सरकार ने शुक्रवार की शाम नोटिफिकेशन जारी किया है। इस मामले पर लालू यादव ने कहा कि सरकार बैकफुट पर है। 'क्या बिहार सरकार ने पहले उनकी सुरक्षा रद्द करके उनके साथ अन्याय किया था', यह पूछे जाने पर उन्होंने कहा, "हां, बहुत किया है।"

एक महीना पहले बिहार सरकार ने VVIP सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की थी। इस समीक्षा के बाद लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की सुरक्षा श्रेणी में बदलाव किया गया था, जिसे लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। सुरक्षा में बदलाव के विरोध में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी ने सरकार की ओर से उपलब्ध कराई गई सुरक्षा वापस कर दी थी।

❐ कहा- मेरे साथ अन्याय हुआ, बंगला विवाद के बीच घटाई गई थी लालू-राबड़ी की सुरक्षा

10 सर्कुलर स्थित बंगले से वापस किया था सुरक्षा: सुरक्षा में कटौती से नाराज लालू परिवार ने राज्य सरकार की नई सुरक्षा व्यवस्था को खारिज कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने 10 सर्कुलर रोड स्थित बंगले पर तैनात सभी सरकारी सुरक्षा जवानों को वापस लौटा दिया था। इसके बाद से सांसद मीसा भारती और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी सुरक्षा जवानों को वापस कर दिए थे।

पटना में मुस्लिम युवक के साथ मिली नाबालिग आरोपी बोला- शादी की, पहली पत्नी भी हिंदू

एजेंसी, पटना

पटना में 3 दिन से लापता 13 साल की लड़की मुस्लिम लड़के के साथ ऑटो में मिली। लड़की ऑटो की पिछली सीट पर बेहोश पड़ी थी। परिवार का आरोप है कि मोहम्मद श्मशाद आलम लड़की को बहलाकर अपने साथ ले गया था। शनिवार सुबह पटना के तारामंडल के पास लड़की के परिवार ने उसे ऑटो में देखा। साथ में मुस्लिम युवक भी था। परिवार ने लड़के को पकड़कर पुलिस के हवाले किया है। वो वैशाली का रहने वाला है। लड़की का न्यू गार्डिनर अस्पताल में इलाज जारी है। परिवार ने आरोप लगाया है कि श्मशाद आलम पहले से शादीशुदा है। उसने बच्ची के साथ 3 दिनों तक रेप किया। हिंदू देवताओं की DP लगाकर झांसा देता है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया है कि उसने साल 2025 में यारपुर की रहने वाली हिंदू लड़की से हाईकोर्ट मजार के पास शादी की थी। उसकी 8 महीने की एक बच्ची है। उसने 13 साल की लड़की से 3 दिन पहले मैनपुरा मंदिर में शादी करने का दावा किया है।

3 दिन पहले घर से सामान लेने निकली थी बच्ची: लड़की के चाचा ने बताया कि लड़की 3 दिन पहले घर से सामान खरीदने के लिए निकली थी, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटी। उसकी गुमशुदगी को लेकर गर्दनीबाग थाना में शिकायत दर्ज कराई गई थी। उसकी उम्र 14 साल है। वो पटना के एक सरकारी स्कूल में 8वीं क्लास में पढ़ती है। 3 दिन से एक लड़का उसको अगवा करके पूरे पटना में ऑटो पर घूमा रहा था। वह रैपिडो, ओला में ऑटो चलाता है। 3 दिन से वो हमारी बच्ची के साथ संबंध बनाता रहा। आज सुबह वो तारामंडल, इनकम टैक्स गोलंबर के पास विद्यापति रोड से गुजर रहा था। तभी मेरी नजर ऑटो में बच्ची और उसके साथ मौजूद युवक पर पड़ी। इसके बाद मैंने मंदिरी नाले के पास उसे पकड़ लिया।

चाचा बोले- देवी-देवताओं की DP लगाकर फंसाता है श्मशाद आलम: लड़की के चाचा ने आगे बताया कि लड़का मुस्लिम है और अपनी वॉट्सऐप DP में हिंदू देवी-देवता (शिव-पार्वती) की तस्वीर लगाता है। इस तरह वह हिंदू लड़कियों को गुमराह कर झूठ बोलकर फंसा रहा है। श्मशाद पटना के गर्दनीबाग इलाके में किराए के मकान में रहता है। हम लोगों को कभी नहीं लगा कि ऐसा भी हो सकता है। वो पहले से शादीशुदा भी है।

ASI बोले- आरोपी से पूछताछ जारी है: ASI केसी पंकज ने बताया कि हम गश्ती पर निकले थे, तभी देखा कि दो लोग ऑटो के पास हंगामा कर रहे थे। हम लोगों ने उन्हें थाने लेकर आया और पूछताछ कर रहे हैं। लड़की कौन है, क्या मामला है, हम अभी जानकारी जुटा रहे हैं। बच्ची को इलाज के लिए न्यू गार्डिनर अस्पताल लाए हैं। लड़की के चाचा के बयान के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। किशोरी का बयान, मेडिकल जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सदर बाजार में भीषण आग, छह दुकानें जलकर राख, कारोबारी ने लगाया आग लगाने का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर थाना क्षेत्र के सदर बाजार स्थित बड़ी देवी स्थान के पास शुक्रवार देर रात भीषण आग लग गई। इस घटना में छह दुकानें जलकर राख हो गईं, जिसमें लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान है। हालांकि, हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की पांच छोटी-बड़ी दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

आगजनी का आरोप, एक व्यक्ति हिरासत में: मामले में पुलिस ने सुल्तानपुर निवासी लल्लू कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ

शुरू कर दी है। लहसुन कारोबारी दिलीप कुमार ने दानापुर थाने में लिखित शिकायत देकर लल्लू कुमार पर आग लगाने का आरोप लगाया है। दिलीप कुमार ने बताया, 'शुक्रवार सुबह उनकी लल्लू कुमार से किसी बात पर कहासुनी हुई थी। आरोप है कि शाम को लल्लू शराब के नशे में चार-पांच अज्ञात युवकों के साथ उनकी दुकान पर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए दुकान में आग लगाने की धमकी दी। उस समय आसपास के दुकानदारों ने बीच-बचाव कर उसे वहां से हटा दिया था। इसके घटना के बाद देर रात अचानक दुकान में आग लग गई, जिससे दिलीप कुमार की दुकान समेत कई अन्य दुकानें जलकर खाक हो गईं।'उन्होंने आगलगी में करीब 8 से 9 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया है।

रात 12 बजे मिली आग लगने की सूचना: दुकानदार सुशील साव ने बताया, 'रात करीब 12 बजे कुछ लोगों ने उनके घर पहुंचकर दुकान में आग लगने की सूचना दी। वे तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों के साथ आग बुझाने का प्रयास करने लगे। अग्निशमन विभाग को भी सूचना दी गई, लेकिन तब तक आग तेजी से फैल चुकी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग रात करीब सवा 12 बजे लगी थी।

आग की चपेट में दिलीप कुमार की लहसुन दुकान, सुनील कुमार की प्याज दुकान, राजू की मिर्च दुकान, मन्नू की नाश्ता दुकान सहित कुल छह दुकानें आ गईं। सहायक अग्निशमन पदाधिकारी शशिकांत शर्मा ने पुष्टि की कि पांच दमकल वाहनों की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, पुलिस शिकायत के आधार पर सभी पहलुओं की जांच में जुटी है।

पटना मेट्रो उद्घाटन समारोह में मेयर को नहीं किया आमंत्रित

एजेंसी, पटना

पटना मेट्रो के उद्घाटन समारोह के दौरान मेयर सीता साहू को आमंत्रित नहीं करने पर पटना नगर निगम के सशक्त स्थाई समिति के सदस्यों ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा को पत्र लिखा है। सशक्त स्थाई समिति के सदस्यों ने इस पूरे प्रकरण के जांच का अनुरोध किया है। इसके साथ ही ये भी सुनिश्चित करने को कहा है कि भविष्य में राज्य सरकार और उनकी एजेंसियों द्वारा आयोजित नगर क्षेत्र से संबंधित सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में पटना मेयर के संवैधानिक गरिमा का सम्मान किया जाए।

पटना नगर निगम की मेयर को आमंत्रित नहीं किया: इस पत्र में लिखा गया कि, 2 जुलाई 2026 को आयोजित पटना मेट्रो के मलाही

पकड़ी स्टेशन के उद्घाटन समारोह में पटना नगर निगम की मेयर को आमंत्रित नहीं किया गया। यह न केवल नगर निगम जैसी महत्वपूर्ण स्थानीय स्वशासी संस्था की गरिमा के प्रतिकूल है, बल्कि स्थापित प्रशासनिक परंपराओं और राज्य सरकार द्वारा निर्धारित वरीयता क्रम की भावना के भी अनुरूप नहीं प्रतीत होता है। पत्र में आगे लिखा गया है कि पटना मेट्रो परियोजना के लिए पटना नगर निगम द्वारा आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र (NOC) प्रदान किया गया था।

पटना जू में जुलाई लास्ट तक आएंगे दो नर गौर, सेंट्रल जू अथॉरिटी से मिली मंजूरी

एजेंसी, पटना

पटना जू में जुलाई के अंत तक कर्नाटक के शिवमोगा जू से 2 नर गौर आयेंगे। पटना जू प्रशासन इसकी तैयारियों में लगा हुआ है। सेंट्रल जू अथॉरिटी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। अभी पटना जू में सिर्फ़ 2 मादा गौर हैं। 2 नर गौर लाने से पटना जू में गौर की संख्या बढ़ाने में मदद मिलेगी। शिवमोगा जू को देश की पहली विशेष 'गौर सफारी' के रूप में विकसित की गई है। इसके तहत मैसूरू चिड़ियाघर से लाए गए भारतीय गौर रखे जाते हैं। जून 2025 में संक्रमण से मादा गौर की मृत्यु हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार थिलेरियोसिस संक्रमण के कारण गौर की मौत की बात सामने आयी। गौर की मृत्यु के 20 दिनों पहले से ही उसके संक्रमण का इलाज चल रहा था। उससे पहले मार्च 2025 में आधी रात को नर गौर भैरवा की मौत हो गई थी। तीन-चार दिनों से बीमार चलने के बाद उसने

❐ कर्नाटक के शिवमोगा जू से लाने की तैयारी

खाना भी छोड़ दिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का प्रारंभिक कारण सेप्टीसीमिया और मल्टीपल ऑर्गन फेल्योर बताया गया था।

वहीं, पटना जू में मैसूर जू से नर जिराफ आएगा। एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत जानवरों की अदला-बदली होगी। जिराफ लाने को लेकर पहले कोलकाता जू से बातचीत हुई थी। मगर वहां से फीका रिस्पॉन्स मिला, जिसके बाद मैसूर से जिराफ लाया जाएगा। नर जिराफ को पटना जू लाने का मुख्य उद्देश्य जिराफ के ब्लड लाइन को बदलकर उसके ब्रीडिंग को बढ़ावा देना है।

82 हजार स्ट्रीट लाइटें होंगी ऑटोमेटिक ऑन-ऑफ, 30 दिन में राजधानी में जगमगाएंगी 35 हाई मास्ट लाइटें

एजेंसी, पटना

पटना के 82 हजार स्ट्रीट लाइटों को ऑटोमेटिक स्टार्ट किया जाएगा। इसे IoT (Internet of Things) आधारित सेंसर बेस्ड किया जा रहा है, जो शाम होते ही खुद जल जाएंगी और सुबह होते ही बंद हो जाएंगी। इन लाइटों की निगरानी के लिए सेंट्रलाइज्ड कमांड सेंटर बनाया जाएगा। इसके लिए बिड को स्वीकृति के लिए विभाग में भेज दिया गया है। वहीं, बारिश के समय स्विच फेल होने और कार्बन की समस्या के समाधान के लिए टीम भी बनाई गई है।

25000 अतिरिक्त लाइटें और पुरानी लाइटों का होगा एक्सचेंज: पटना नगर निगम से अब नया टेंडर किया जा रहा है। इसमें शहर की सभी स्ट्रीट लाइटों को ऑटोमेट करने के साथ-साथ

25 हजार अतिरिक्त लाइटें लगाने का प्रावधान है। इसके अलावा ईईएसएल की वे पुरानी लाइटें, जिनकी कार्य अवधि समाप्त हो चुकी है, उन्हें नई लाइटों से बदला जाएगा।

30 दिन में राजधानी में जगमगाएंगी 35 हाई मास्ट लाइटें: पटना के 30 वार्डों में 35 जगह लगने वाली हाई मास्ट लाइटों का काम अगले 30 दिनों के अंदर पूरा कर लिया जाएगा। इनमें से करीब 20 लाइटों के लिए फाउंडेशन का काम शुरू हो चुका है। जयप्रकाश नगर, दयानंद हाई स्कूल, बसावन पार्क टी-प्वाइंट, पंचमुखी हनुमान मंदिर सहित अन्य जगहों पर लाइटें लग रही है। हर हाई मास्ट लाइट की लंबाई 12.5 मीटर है। प्रत्येक हाई मास्ट लाइट में 6 फ्लड लाइटें होंगी, जिनकी कुल क्षमता 1200 वॉट होगी। इन सभी 35 हाई मास्ट लाइट में 1.6 करोड़ रुपए की लागत आएगी। पटना नगर निगम क्षेत्र में वर्तमान में 166 हाई मास्ट लाइट कार्यरत हैं।

तुरंत समाधान के लिए वार्ड स्तर पर टीम गठित: वहीं, वार्ड स्तर पर अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं, जो शिकायतों का तुरंत समाधान कर रही हैं। बारिश के समय स्विच फेल होने और कार्बन की समस्या सामने आती है, लेकिन इन तकनीकी दिक्कतों को भी लगातार ठीक किया जा रहा है। पटना नगर निगम के पास लाइट को समस्या को लेकर करीब 250-300 शिकायतें पेंडिंग है। इसपर भी कार्रवाई किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़वा के मौजे गांव में 'इंस्पायर यूथ क्लब' का गठन, समाज निर्माण के लिए युवाओं ने लिया संकल्प

बीएनएम@ रामगढ़वा। प्रखंड के मौजे गांव में मेरा युवा भारत के पूर्वी चंपारण युवा क्लब विकास अभियान के तहत 'इंस्पायर यूथ क्लब, मौजे' का गठन किया गया। अभियान के सक्रिय स्वयंसेवक हिमांशु कुमार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी अभिनाश राज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अभिनाश राज ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा शक्ति किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि संगठित होकर सकारात्मक दिशा में कार्य करने वाले युवा गांव और समाज के विकास को नई गति दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता, रक्तदान, खेलकूद और जनकल्याण से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। हिमांशु कुमार ने बताया कि क्लब का उद्देश्य युवाओं को एक मंच पर जोड़कर समाज सेवा की भावना को मजबूत करना और गांव के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर नवनीत कुमार मिश्र उर्फ नमन कश्यप को अध्यक्ष, सतीश कुमार शर्मा को उपाध्यक्ष, शुभम कुमार श्रीवास्तव को सचिव, रवि रंजन तिवारी को सह सचिव, रमित कुमार शर्मा को कोषाध्यक्ष, शैलेश तिवारी उर्फ मोचा तिवारी को संयोजक तथा मुन्ना तिवारी को सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में राज रतन कुमार, रितेश कुमार, आर्यन तिवारी, सत्यम मिश्र, शिवम मिश्र, बादल तिवारी, शिवम श्रीवास्तव, रोहन कुमार, मुन्ना कुमार, सुमित कुमार, रामू यादव, आर्यन यादव, बुलेट कुमार, ताड़केश्वर कुमार, अभिजीत कुमार, अरबाज आलम, अभिजीत मिश्र एवं गोलू कुमार सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने समाजहित, युवाओं के सर्वांगीण विकास तथा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। उपस्थित लोगों ने नवगठित क्लब को सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साइबर ठगी में इस्तेमाल हो रहे 3 म्यूल बैंक खातों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन खाताधारकों पर केस दर्ज

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी में इस्तेमाल हो रहे तीन म्यूल (Mule) बैंक खातों के खाताधारकों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की है। यह कार्रवाई आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू), पटना से प्राप्त निर्देश के आलोक में की गई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) के नेतृत्व में गठित छापेमारी टीम ने रक्सौल थाना क्षेत्र के हरनाही और दुर्गा नगर के तीन बैंक खाताधारकों से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि इन लोगों ने साइबर अपराधियों को अपने बैंक खाते उपलब्ध कराए थे, जिनके माध्यम से ठगी की रकम का लेन-देन किया जाता था। इसके एवज में खाताधारकों को मोटी रकम दी जाती थी। तकनीकी जांच में पता चला कि इन खातों के खिलाफ महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु सहित कई राज्यों से साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। इसके बाद साइबर थाना कांड संख्या 113/26 दर्ज कर तीनों आरोपितों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई। कार्रवाई की जद में आए आरोपितों की पहचान रक्सौल थाना क्षेत्र के हरनाही निवासी ऋषु कुमार, राजू कुमार तथा रामाधार कुमार के रूप में हुई है। यह पूरी कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) प्रवीण कुमार के नेतृत्व में साइबर थाना की टीम ने की। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति को अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, चेकबुक या मोबाइल बैंकिंग सुविधा उपलब्ध न कराएं, क्योंकि ऐसा करना साइबर अपराध में संलिप्तता माना जा सकता है।

भादा मुख्य नहर से अज्ञात अधेड़ का शव बरामद, पहचान में जुटी पुलिस

बीएनएम@ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के भादा मुख्य नहर के 443 आरडी के समीप शनिवार को एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का शव पानी में तैरता मिला। शव मिलने की सूचना पर इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण नहर किनारे जुट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शव बगहा गांव की ओर से बहकर यहां तक पहुंचा था और मुख्य गेट के पूर्वी हिस्से में गहरे पानी में उपलाया हुआ था। शव को देखने और उसकी पहचान करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी, लेकिन किसी ने उसकी शिनाख्त नहीं की। ग्रामीणों ने घटना की सूचना हरसिद्धि थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सुनील कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। गोताखोरों की मदद से शव को नहर से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, मोतिहारी भेज दिया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि समाचार लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हो सकी है। शव की शिनाख्त के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मधुबनी के खोताहवा में दो वर्षों से नल जल योजना बंद

» 700 की आबादी चापाकलों के सहारे प्यास बुझा रही
» आक्रोशित लोगों ने किया प्रदर्शन

बीएनएम@ बगहा : मधुबनी प्रखंड अंतर्गत खोतहवा पंचायत के वार्ड संख्या 12 में पिछले लगभग दो वर्षों से मुख्यमंत्री नल-जल योजना के तहत शुद्ध पेयजल की आपूर्ति बंद होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण उमस और गर्मी के बीच करीब 700 की आबादी चापाकलों के सहारे अपनी प्यास बुझाने को मजबूर है। जिससे नाराज 12 नंबर वार्ड के लोगों ने शनिवार को प्रशासन के विरुद्ध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की।ग्रामीणों प्रदीप ठाकुर, अशोक चौधरी, विकाऊ यादव, गोरख यादव, सुरेश यादव, वंशराज गुप्ता ने बताया कि नल-जल योजना बंद होने के कारण उन्हें रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी पानी की समस्या झेलनी पड़ रही है। लोगों ने बताया कि पानी आपूर्ति बहाल कराने के लिए कई बार मधुबनी प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सहित संबंधित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई।ग्रामीणों ने प्रखंड एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कर खराब पड़ी नल-जल योजना को दुरुस्त कराया जाए, ताकि वार्ड के लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके। पूछने पर बीडीओ कुंदन कुमार ने बताया कि खोतहवा पंचायत के 12 नंबर वार्ड से किसी प्रकार का आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है ।

संगम 4.0 में फ्रेशर्स का भव्य स्वागत एवं सीनियर्स को विदाई

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे कॉलेज के बीसीए विभाग द्वारा आयोजित "संगम 4.0" फ्रेशर्स कम फेयरवेल कार्यक्रम उत्साह, उमंग एवं सांस्कृतिक रंगों के बीच संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन बीसीए चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेन्द्र कुमार ने कहा कि महाविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और नेतृत्व क्षमता के विकास का भी सशक्त मंच है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, सकारात्मक सोच, समय का सदुपयोग तथा निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा देते हुए कहा कि आज का विद्यार्थी ही कल का सफल और जिम्मेदार नागरिक बनता है। बीसीए समन्वयक डॉ. दीपक कुमार ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि संगम केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जूनियर्स और सीनियर्स के बीच अनुभव, ज्ञान और प्रेरणा का ऐसा सेतु है, जो नई संभावनाओं का निर्माण करता है। कार्यक्रम को बीबीए समन्वयक डॉ. प्रभाकर कुमार, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ.दुर्वादल भट्टाचार्य, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रविरंजन सिंह, डॉ. अरुण कुमार, प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार ने भी संबोधित किया तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत, नृत्य एवं विभिन्न मनोरंजक प्रस्तुतियों से समां बाँध दिया। प्रतियोगिताओं एवं व्यक्तित्व प्रदर्शन के आधार पर द्वितीय सेमेस्टर के छात्र अमृत कुमार को मिस्टर फ्रेशर तथा दिव्यांशी कुमारी को मिस फ्रेशर चुना गया। वहीं पंचम सेमेस्टर के छात्र आयुष कुमार एवं प्रेरणा भारती को स्टूडेंट ऑफ द ईयर घोषित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बीसीए विभाग के प्राध्यापक अंजना चौधरी, प्रभात कुमार, अनु कुमारी, राम कुमार एवं अनुभा कुमारी तथा आदित्य कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रघुनाथपुर चौक पर हंगामे के दौरान युवक गिरफ्तार, कमर से टॉय गन बरामद

बीएनएम@ तुरकौलिया

रघुनाथपुर चौक स्थित एसबीआई के समीप युवकों के बीच विवाद और मारपीट की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कमर से टॉय (खिलौना) गन बरामद हुई। गिरफ्तार युवक की पहचान डुमरियाघाट निवासी शिष्यांश कुमार के रूप में हुई है, जो वर्तमान में राजा बाजार में रहकर पढ़ाई करता है। पुलिस के अनुसार, मारपीट की सूचना मिलते ही डायल-112 और गश्ती दल मौके पर पहुंचा। पुलिस को देखते ही अन्य युवक मौके से फरार हो गए, जबकि एक युवक को खदेड़कर पकड़ लिया गया। रघुनाथपुर थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि बरामद वस्तु टॉय (खिलौना) गन है, कोई असली हथियार नहीं। युवक से पूछताछ की जा रही है और पूरे मामले की जांच जारी है। पुलिस फरार अन्य युवकों की भी पहचान करने में जुटी है।

बच्ची को बचाने में पेड़ से टकराई पिकअप, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

बीएनएम@ तुरकौलिया

रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गदरिया स्थित जवाहर लाल इंटरनेशनल स्कूल के समीप शनिवार शाम करीब चार बजे एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। सरकारी स्कूल से घर लौट रही एक बच्ची को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित पिकअप सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि चालक और बच्ची दोनों सुरक्षित बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिकअप अरेराज से मोतिहारी की ओर जा रही थी। इसी दौरान लक्ष्मीपुर कचहरिया टोला की एक बच्ची स्कूल से घर लौटते समय सड़क किनारे चल रही थी। अचानक वह सड़क पर आ गई। बच्ची को सामने देख चालक ने तत्काल ब्रेक लगाया, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया और पिकअप सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर रघुनाथपुर थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। स्थानीय लोगों ने चालक की सूझबूझ की सराहना करते हुए कहा कि उसकी सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया।

बापूधाम मोतिहारी स्टेशन पर 218वें सप्ताह भी जरूरतमंदों को मिला निशुल्क भरपेट भोजन, 500 से अधिक लोगों ने उठाया लाभ

बीएनएम@ मोतिहारी

करुणा, सेवा और मानवता के संदेश को साकार करते हुए देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम सेवा परिषद एवं सीता देवी ओंकार नाथ जालान सेवा संस्थान द्वारा प्रत्येक शनिवार की तरह इस सप्ताह भी बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन परिसर में निशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के इस सतत सेवा अभियान ने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर लिया है और शनिवार को इसका 218वां सप्ताह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। चिलचिलाती गर्मी के बावजूद भोजन सेवा के लिए महिलाओं, पुरुषों एवं जरूरतमंदों की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान 500 से अधिक लोगों को चावल, सब्जी, सलाद तथा शीतल जल के साथ भरपेट भोजन कराया गया। संस्था के आजीवन सहयोगी विनोद जालान ने कहा कि किसी जरूरतमंद के चेहरे पर भोजन प्राप्त करने के बाद आने वाली मुस्कान ही उनके सेवा प्रयासों की सबसे बड़ी उपलब्धि और प्रेरणा है।वहीं अन्नपूर्णा रसोई के सेवक एवं सामाजिक कार्यकर्ता राम भजन ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में संवेदना, सहयोग और अपनत्व की भावना को मजबूत करना भी है। सेवा कार्य में सामाजिक कार्यकर्ता विक्की कुमार, रविंद्र कुमार, रंजन कुमार, गुड्डू कुमार, नेहाल कुमार, रामचंद्र शाह सहित अन्य स्वयंसेवकों ने सक्रिय योगदान दिया।

महाविद्यालय स्तरीय रेड रन प्रतियोगिता संपन्न, जिला स्तर के लिए 10 प्रतिभागी चयनित

बीएनएम@ मोतिहारी

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (NACO) एवं बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के निर्देश पर शनिवार को मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी के सेहत केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयुक्त तत्वावधान में गांधी मैदान में महाविद्यालय स्तरीय रेड रन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा समाज में जन-जागरूकता का संदेश प्रसारित करना था। प्रतियोगिता के शुभारंभ से पूर्व सेहत केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. विदुषी दीक्षित, जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. अमित कुमार, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. गौरव भारती, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार पाण्डेय तथा मनोवैज्ञानिक एवं समाजसेवी डॉ. अरुण कुमार ने प्रतिभागियों को रेड रन अभियान के उद्देश्य, एचआईवी/एड्स से बचाव, जागरूकता एवं सामाजिक सहभागिता के महत्व की जानकारी दी। वक्ताओं ने युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर छात्र वर्ग से डेविड, आशुतोष, मनीष, गुलशन एवं सूरज तथा छात्रा वर्ग से अदिति, मुस्कान, वैष्णवी, काजल एवं सुलेखा का चयन जिला स्तरीय रेड रन प्रतियोगिता के लिए किया गया। चयनित प्रतिभागी आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम. एन. हक़ ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चयनित प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि महाविद्यालय के विद्यार्थी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन करेंगे। साथ ही सेहत केंद्र, एनएसएस इकाई एवं सभी प्रतिभागियों के योगदान की सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर सभी को बधाई दी।

124.6 किलोग्राम गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, बोलेरो जब्त

बीएनएम@ बेतिया

पश्चिम चंपारण पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 124.6 किलोग्राम गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक बोलेरो वाहन और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 6 बजे मझौलिया थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली कि बोलेरो (BR06P8646) से भारी मात्रा में गांजा लेकर तस्कर धोकरहां से चैलाभार की ओर जा रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर-1 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। चैलाभार स्थित स्वास्तिक लॉज से लगभग 30 मीटर पूर्व वाहन जांच के दौरान संदिग्ध बोलेरो को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में लाल प्लास्टिक में लिपटी 12 गांठों में कुल 124.6 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। मौके से वाहन चालक समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के आईटीआई आरएलएसवाई कॉलेज के पास निवासी अमित पासवान (20) तथा रक्सौल थाना क्षेत्र के कौड़िया चौक वार्ड-19 निवासी दीपक प्रसाद (27) के रूप में हुई है। बरामदगी में 124.6 किलोग्राम गांजा, बोलेरो वाहन (BR06P8646) तथा एसीएफ कंपनी का एक कीपैड मोबाइल शामिल है। दोनों आरोपितों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शराबी गली से शिक्षा और व्यवसाय का हब बनी बेलदारी टोला की सड़क, शराबबंदी के बाद बदली तस्वीर

बीएनएम@ तुरकौलिया

बोरिंग चौक से तुरकौलिया बाजार जाने वाली करीब एक किलोमीटर लंबी सड़क, जिसे कभी "शराबी गली" के नाम से जाना जाता था, आज शिक्षा, व्यवसाय और आधुनिक विकास का केंद्र बनती जा रही है। कभी टूटी-फूटी सड़क, शराब के अड्डों और शराबियों की भीड़ के कारण बदनाम रही यह गली अब निजी स्कूलों, कोचिंग संस्थानों, दुकानों, विवाह भवन और नए मकानों से आबाद हो चुकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बिहार में वर्ष 2016 में शराबबंदी लागू होने के बाद इस इलाके की तस्वीर तेजी से बदली। पहले जहां इस गली में केवल आधा दर्जन परिवार रहते थे, वहीं आज चार दर्जन से अधिक पक्के और बहुमंजिला मकान बन चुके हैं। यहां निजी विद्यालय, विभिन्न प्रकार की दुकानें, कोचिंग संस्थान, विवाह भवन और केक निर्माण की फैक्ट्री भी स्थापित हो चुकी है। कई लोगों ने मकान बनाकर किराये पर देना भी शुरू कर दिया है।

पहले चलता था शराब का भट्ठा और ताड़ीखाना- स्थानीय लोगों का कहना है कि शराबबंदी से पहले इस गली में देशी शराब का भट्ठा और ताड़ीखाना संचालित होता था। शराब के साथ मांस और मछली की दुकानें भी थीं, जिससे यह इलाका शराबियों का अड्डा बन गया था। सुबह से देर रात तक शराब पीने वालों की भीड़ लगी रहती थी। गाली-गलौज, मारपीट और अश्लील गीतों की आवाज से माहौल हमेशा खराब रहता था। महिलाएं और लड़कियां घर से निकलने में असहज महसूस करती थीं तथा कोई भी इस इलाके में बसना नहीं चाहता था।

शराबबंदी के बाद बढ़ी जमीन की कीमत-शराबबंदी के बाद इस इलाके की जमीन की कीमतों में भारी उछाल आया। वर्ष 2016 से पहले जहां दो लाख रुपये प्रति कट्ठा में भी जमीन खरीदने वाला नहीं मिलता था, वहीं आज सड़क किनारे की जमीन 50 से 60 लाख रुपये प्रति कट्ठा तक बिक रही है। इसके बावजूद जमीन की मांग लगातार बनी हुई है।

शिक्षा और व्यवसाय का नया केंद्र- आज इस गली में शिक्षा और व्यवसाय दोनों का तेजी से विस्तार हो रहा है। निजी स्कूलों और कोचिंग संस्थानों के खुलने से बच्चों को बेहतर शिक्षा की सुविधा मिल रही है। वहीं विभिन्न प्रकार की दुकानों और छोटे उद्योगों के खुलने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। खेती करने वाले किसानों को भी अपनी उपज का बेहतर लाभ मिल रहा है।

अब राहगीरों की पहली पसंद बना रास्ता- यह सड़क हरसिद्धि और तुरकौलिया प्रखंड के लोगों के लिए तुरकौलिया बाजार, प्रखंड कार्यालय, अंचल कार्यालय, थाना, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोतिहारी और अरेराज जाने का सबसे सुगम मार्ग है। पहले शराबियों की भीड़ के कारण लोग इस रास्ते से बचते थे और लंबा रास्ता अपनाते थे। अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। महिलाएं, छात्र-छात्राएं और आम राहगीर बेझिझक इस सड़क का उपयोग कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों का मानना है कि शराबबंदी के बाद इस इलाके में सामाजिक माहौल, सुरक्षा, शिक्षा और आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय बदलाव आया है। कभी बदनाम रही "शराबी गली" आज विकास और नई पहचान की मिसाल बन चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

सहयोग शिविर के सफल आयोजन को ले डीएम ने की समीक्षा बैठक

जनहित को प्राथमिकता देने के निर्देश

बीएनएम@ समस्तीपुर। जिले में आयोजित होने वाले सहयोग शिविर को सफल, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिविर की तैयारियों, विभिन्न विभागों की भूमिका तथा लाभार्थियों तक योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सहयोग शिविर का आयोजन पूरी तरह सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर आसानी से उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि शिविर में आने वाले लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आवश्यक संसाधनों और कर्मियों के साथ शिविर में उपस्थित रहने का निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक आवेदक के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि प्राप्त आवेदनों और शिकायतों का समयबद्ध निष्पादन हो तथा लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में जिला स्तरीय पदाधिकारी समाहरणालय सभाकक्ष में उपस्थित रहे। वहीं सभी अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं अन्य क्षेत्रीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए और जिलाधिकारी द्वारा दिए गए आवश्यक निर्देशों से अवगत हुए।

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान

बीएनएम@ समस्तीपुर। अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा, समस्तीपुर शाखा के तत्वावधान में शनिवार को सोनवर्षा चौक पर स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष अर्जुन प्रसाद सिंह ने की। वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और राष्ट्रवाद को नई दिशा प्रदान की। जिला अध्यक्ष अर्जुन प्रसाद सिंह ने उन्हें महान देशभक्त एवं युवाओं के लिए प्रेरणादायक व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि आज के युवाओं को उनके विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। लोगों ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।श्रद्धांजलि सभा में किशोरी प्रसाद सिंह, डॉ. आर.के. दिवाकर, सुधाकर सिंह, प्रभाकर कुमार, राम संजीवन पांडेय, राजन सिंह, बनवारी प्रसाद, डॉ. चंद्र प्रकाश, शिवचंद्र सिंह, कृष्णकांत झा, कृष्ण मोहन चौधरी, हरे राम सिंह, संजय सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डिजिटल सुशासन से बदल रहा बिहार : मंगल पांडेय

बीएनएम@ पटना। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मंगल पांडेय ने बिहार में डिजिटल सुशासन और तकनीकी विकास की दिशा में राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सरकार बिहार को देश के अग्रणी तकनीकी केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। उनका कहना है कि

डिजिटल तकनीक के विस्तार से प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ेगी, सेवाओं की गुणवत्ता सुधरेगी और भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिलेगी। मंगल पांडेय ने कहा कि बिहार में दिखाई दे रहे तकनीकी बदलाव की प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "डिजिटल इंडिया" विजन से मिली है। उनके अनुसार, केंद्र सरकार की डिजिटल पहल को राज्य सरकार प्रभावी ढंग से लागू कर रही है, जिससे तकनीक का लाभ गांव-गांव तक पहुंच रहा है।मंगल पांडेय ने कहा कि सरकार द्वारा नागरिकों की शिकायतों के ऑनलाइन निस्तारण और तय समय-सीमा में जवाबदेही सुनिश्चित करने की व्यवस्था सुशासन को और मजबूत बनाएगी। उनके मुताबिक, डिजिटल तकनीक के माध्यम से सरकार प्रशासन को अधिक प्रभावी और जनोन्मुख बनाने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है।

अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा का निर्धारण 1 अगस्त 2025 को आधार मानकर किया जाएगा

बिहार में सब इंस्पेक्टर के 150 खाली पदों पर होगी नियुक्ति, नोटिफिकेशन जारी

» भर्ती प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी
» आवेदन शुल्क 100 रुपये निर्धारित

बीएनएम@ पटना

बिहार पुलिस में सब इंस्पेक्टर (एसआई) बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है. बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग ने स्पेशल ब्रांच में पुलिस सब इंस्पेक्टर (जनरल क्लोज्ड कैडर) भर्ती का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है. इस भर्ती अभियान के तहत कुल 150 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इच्छुक उम्मीदवार 9 जुलाई 2026 से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 9 अगस्त 2026 तय की गई है।आयोग ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा का निर्धारण 1 अगस्त 2025 को आधार मानकर किया जाएगा। ऐसे में उम्मीदवारों के पास इस तिथि तक किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष डिग्री होना अनिवार्य है। निर्धारित तिथि तक डिग्री पूरी नहीं होने पर आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। भर्ती प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी। सबसे पहले प्रारंभिक लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसमें सफल अभ्यर्थियों को मुख्य लिखित परीक्षा में शामिल होने का अवसर मिलेगा। मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को शारीरिक दक्षता परीक्षा (PET) के लिए बुलाया जाएगा। अंतिम चयन आयोग द्वारा निर्धारित सभी चरणों में प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।आवेदन शुल्क को लेकर भी आयोग ने स्पष्ट व्यवस्था की है। इस भर्ती में सभी श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। अंतिम तिथि के बाद किसी भी परिस्थिति में आवेदन स्वीकार नहीं होगा। शैक्षणिक योग्यता के अनुसार पुलिस सब-इंस्पेक्टर (सामान्य बंद कैडर) पद के लिए उम्मीदवार का किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक होना आवश्यक है। आयु सीमा का निर्धारण भी 1 अगस्त 2025 को आधार मानकर किया जाएगा। जन्म तिथि का सत्यापन मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा के प्रमाणपत्र के आधार पर किया जाएगा और इसी के अनुसार न्यूनतम तथा अधिकतम आयु की गणना होगी। भर्ती में शारीरिक मानकों का भी विशेष महत्व रहेगा। सामान्य और पिछड़ा वर्ग के पुरुष उम्मीदवारों की न्यूनतम लंबाई 165 सेंटीमीटर निर्धारित की गई है, जबकि अत्यंत पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के पुरुष उम्मीदवारों के लिए यह 160 सेंटीमीटर होगी। सभी वर्गों की महिला अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम लंबाई 155 सेंटीमीटर तय की गई है। आयोग ने सभी अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि आवेदन करने से पहले पूरी अधिसूचना ध्यानपूर्वक पढ़ें और शैक्षणिक प्रमाणपत्र, जन्म तिथि, फोटो तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज सही जानकारी के साथ अपलोड करें। गलत अथवा अपूर्ण जानकारी पाए जाने पर आवेदन निरस्त किया जा सकता है।

दलसिंहसराय में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

एनएच 28 को कराया गया अतिक्रमण मुक्त

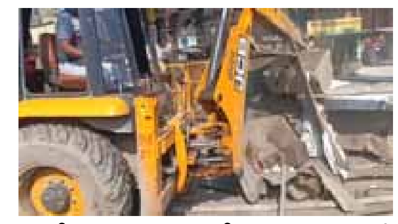

बीएनएम@ समस्तीपुर। जिलाधिकारी के निर्देश पर दलसिंहसराय शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग-28 के किनारे विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई के दौरान सड़क किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया, जिससे यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और आम लोगों को आवागमन में होने वाली परेशानियों को दूर करने का प्रयास किया गया। अभियान के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में अतिक्रमित स्थलों को चिन्हित कर हटाया गया। अधिकारियों ने बताया कि सड़क एवं राजमार्ग के किनारे अवैध कब्जों के कारण अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न होती है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई की गई। प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सार्वजनिक भूमि एवं सड़क किनारे दोबारा अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग

» पटना में लगे पोस्टरों से सियासी हलचल

बीएनएम@ पटना

निशांत कुमार को बताया 'फ्यूचर लीडर ऑफ बिहार'

बिहार की राजधानी पटना में लगे कुछ नए पोस्टरों ने राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज कर दी है। इन पोस्टरों में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दो दशक के शासनकाल की सराहना करते हुए उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की गई है। साथ ही उनके पुत्र निशांत कुमार को "फ्यूचर लीडर ऑफ बिहार" के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिससे राज्य की भावी राजनीति को लेकर नए कयास लगाए जा रहे हैं। पोस्टरों में नीतीश कुमार के 20 वर्षों के कार्यकाल को बिहार के विकास और सुशासन का दौर बताया गया है। इसमें दावा किया गया है कि उनके नेतृत्व में कानून-व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। इन्हीं उपलब्धियों के आधार पर पोस्टर में नारा दिया गया है, "नीतीश सेवक मांग रहा है... अब भारत रत्न सम्मान।"पोस्टरों का सबसे चर्चित पहलू निशांत कुमार को "फ्यूचर लीडर ऑफ बिहार" के रूप में पेश किया जाना है। इनमें "तीर निशान! तकदीर निशांत!!" और "नीतीश जी का मिशन अधूरा... निशांत कुमार ही करेंगे पूरा..." जैसे नारे भी लिखे गए हैं। इन संदेशों को बिहार की भविष्य की राजनीतिक नेतृत्व को लेकर संकेत के रूप में देखा जा रहा है।पटना में लगे इन पोस्टरों को लेकर राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि अभी तक इन पोस्टरों को लेकर नीतीश कुमार, जनता दल (यूनाइटेड) या निशांत कुमार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि यह पहल समर्थकों की ओर से की गई है या इसके पीछे कोई व्यापक राजनीतिक रणनीति है।फिलहाल, इन पोस्टरों ने बिहार की राजनीति में उत्तराधिकार, नेतृत्व परिवर्तन और भविष्य की रणनीति को लेकर नई बहस जरूर छेड़ दी है।

राबड़ी आवास से हटी आखिरी 'लालटेन'

» राजद ने बताया राजनीतिक प्रतिशोध
» शक्ति सिंह यादव ने सरकार पर साधा निशाना

बीएनएम@ पटना

बिहार की राजनीति के सबसे चर्चित सरकारी आवासों में शामिल 10 सर्कुलर रोड से शनिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की अंतिम पहचान भी हट गई। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास के मुख्य द्वार पर वर्षों से लगा राजद का चुनाव चिन्ह 'लालटेन' उतार दिया गया। इसके साथ ही करीब दो दशकों तक लालू प्रसाद यादव परिवार की राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र रहे इस आवास से पार्टी की आखिरी प्रतीकात्मक मौजूदगी भी समाप्त हो गई। जानकारी के अनुसार, भवन निर्माण विभाग को आवास सौंपे जाने के बाद विभागीय प्रक्रिया के तहत मुख्य गेट से लालटेन का चुनाव चिन्ह हटाया गया। बताया गया कि लालू प्रसाद यादव की ओर से अधिकृत व्यक्ति मौके पर पहुंचा और सुरक्षाकर्मियों से बातचीत के बाद लालटेन को सावधानीपूर्वक हटाया गया। अब परिसर में राजद या लालू परिवार से जुड़ा कोई प्रतीक शेष नहीं है।10 सर्कुलर रोड केवल एक सरकारी आवास नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति का अहम केंद्र माना जाता रहा है। लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और राजद से जुड़े कई महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसलों और बैठकों का यह बंगला वर्षों तक गवाह रहा। ऐसे में लालटेन हटने को राजनीतिक रूप से भी प्रतीकात्मक घटना माना जा रहा है। इससे पहले राबड़ी देवी ने करीब 20 वर्षों बाद सरकारी आवास की चाबियां भवन निर्माण विभाग को सौंप दी थीं। विभाग ने निरीक्षण के बाद आवास में उपलब्ध सरकारी सामान का सत्यापन किया और अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी कर सरकारी प्रक्रिया पूरी कर दी। इस पूरे घटनाक्रम पर राजद ने सरकार के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से सुरक्षा वापस लेने और सरकारी आवास खाली कराने की कार्रवाई राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष को अपमानित करने की कोशिश कर रही है और प्रशासनिक प्रक्रिया को राजनीतिक संदेश देने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।10 सर्कुलर रोड से 'लालटेन' हटने के साथ बिहार की राजनीति के एक लंबे दौर का प्रतीकात्मक अध्याय भी समाप्त हो गया। हालांकि इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति में नई बहस और आरोप-प्रत्यारोप को जन्म दे दिया है।

सरकार अब बैकफुट पर है : लालू प्रसाद

जेड श्रेणी सुरक्षा बहाल होने के बाद लालू का सरकार पर हमला

बीएनएम@ पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने Z श्रेणी की सुरक्षा बहाल होने के बाद पहली बार राज्य सरकार पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। शनिवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकार अब "बैकफुट पर" आ गई है। जब उनसे पूछा गया कि क्या सरकार उनके साथ गलत कर रही थी, तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, "हाँ, बहुत गलत कर रही है।"दरअसल, राज्य सरकार ने हाल ही में लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की Z श्रेणी की सुरक्षा फिर से बहाल कर दी है। इसके साथ ही दोनों नेताओं को पहले की तरह बुलेटप्रूफ वाहन की सुविधा भी दोबारा उपलब्ध करा दी गई है। यह फैसला सुरक्षा व्यवस्था में किए गए बदलाव को लेकर पिछले कुछ दिनों से चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच आया है।सुरक्षा बहाल होने के बाद जब पत्रकारों ने लालू प्रसाद यादव से पूछा कि क्या सरकार उनके दबाव में आई है, तो उन्होंने कहा, "सरकार अब बैकफुट पर है।" वहीं, सरकार के रवैये पर सवाल किए जाने पर उन्होंने दो टूक कहा, "हाँ, बहुत गलत कर रही है।" लालू यादव के इस बयान के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बिहार की सियासत में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

ताजपुर-बख्तियारपुर फोरलेन परियोजना में हादसा, चार मजदूर घायल

» निर्माणाधीन गंगा पुल पर तकनीकी गड़बड़ी

बीएनएम@ समस्तीपुर

ताजपुर-बख्तियारपुर फोरलेन परियोजना के तहत गंगा नदी पर निर्माणाधीन पुल पर शनिवार सुबह एक हादसा हो गया। मोहनपुर थाना क्षेत्र के मटियोर गांव के समीप स्थित पुल के पाया संख्या-38 (P-38) पर निर्माण कार्य के दौरान तकनीकी खराबी आने से कार्यरत चार मजदूर घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए पटोरी अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। इनमें एक मजदूर की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार सुबह मजदूर वीम ढलाई की तैयारी के लिए लोहे का एंगल और सेंटरिंग संबंधी कार्य कर रहे थे। इसी दौरान निर्माण कार्य में इस्तेमाल की जा रही संरचना का एक हिस्सा अचानक असंतुलित हो गया। बताया जाता है कि सेंटरिंग से जुड़ा लोहे का एंगल अचानक मुड़ गया और लगभग 25 फीट नीचे जा गिरा। एंगल पर काम कर रहे चारों मजदूर भी उसके साथ नीचे गिर पड़े, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सहकर्मी मजदूरों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल पहुंचाया। घायलों में एक मजदूर के सिर में गंभीर चोट लगी है, जबकि दूसरे का हाथ फ्रैक्चर हो गया है। अन्य दो मजदूरों को भी चोटें आई हैं और उनका उपचार चल रहा है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए तथा स्थिति का जायजा लिया। पटोरी डीएसपी बी.के. मेधावी ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान लोहे का एंगल तैयार किया जा रहा था। इसी क्रम में संरचना का एक हिस्सा नीचे गिर गया, जिसकी चपेट में आकर चार मजदूर घायल हो गए। मामले की जांच की जा रही है। इधर, जिला प्रशासन और पथ निर्माण विभाग ने घटना को लेकर आधिकारिक बयान जारी किया है। विभाग के अनुसार शनिवार सुबह लगभग 9 बजे बख्तियारपुर-ताजपुर पुल परियोजना के P-38 पिलर पर निर्माण कार्य के दौरान उपयोग की जा रही सीएफटी (CFT) मशीन के एक हिस्से में तकनीकी खराबी आ गई। इसके कारण मशीन के नीचे लगी ट्रे एक ओर झुक गई, जिससे दुर्घटना हुई और वहां कार्यरत चार श्रमिक घायल हो गए। हालांकि इस हादसे के बाद निर्माणाधीन परियोजना में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी बड़ी परियोजनाओं में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि मजदूरों की जान जोखिम में न पड़े। फिलहाल प्रशासन और विभागीय अधिकारी दुर्घटना के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच में जुटे हैं।

युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने का दिया गया संदेश

अधिकारियों, छात्र-छात्राओं एवं जीविका दीदियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का लिया संकल्प

» नशा मुक्त भारत - विकसित भारत की पहचान कार्यशाला आयोजित

बीएनएम@ बेतिया

जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पश्चिम चम्पारण द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशामुक्त भारत अभियानः विकसित भारत की पहचान विषय पर आज समाहरणालय सभागार में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्र-छात्राओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यशाला में नशे के दुष्प्रभावों से समाज को जागरूक करने तथा युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन, सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग विकास कुमार, वरीय उप समाहर्ता नगमा तब्बसुम, जिला अग्निशाम पदाधिकारी मनीष कुमार, शिक्षा विभाग के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कुमकुम पाठक, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, जीविका दीदियां तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान जीविका दीदी सरोज देवी, डॉली कुमारी, लीला देवी तथा वृंदावन विद्यालय के शिक्षक संतोष आनंद ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में भी बाधक बनता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान 17 जून से 26 जूनतक आयोजित नशामुक्त सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में आयोजित निबंध लेखन, चित्रकला एवं क्वीज प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान हस्ताक्षर अभियान आयोजित कर उपस्थित अधिकारियों, छात्र-छात्राओं एवं जीविका दीदियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। इसके साथ ही सेल्फी प्वाइंट पर तस्वीरें लेकर नशामुक्त भारत का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों, छात्र-छात्राओं, जीविका दीदियों एवं प्रतिभागियों ने नशामुक्त भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन ने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है।

समस्तीपुर से विधानसभा मार्च में हजारों छात्रों की भागीदारी का आह्वान

» एआईएसएफ ने शुरू किया अभियान

बीएनएम@ समस्तीपुर

ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ) द्वारा आगामी 15 जुलाई को पटना में आयोजित विधानसभा मार्च को सफल बनाने के लिए समस्तीपुर में व्यापक अभियान की शुरुआत कर दी गई है। संगठन ने अपने जिला कार्यालय, बंगाली टोला से मांग-पत्र और प्रचार पर्चा जारी करते हुए छात्र-छात्राओं, युवाओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों से बड़ी संख्या में विधानसभा मार्च में शामिल होने की अपील की है। एआईएसएफ नेताओं ने बताया कि यह मार्च शिक्षा, रोजगार और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर आयोजित किया जा रहा है। एआईएसएफ के राज्य अध्यक्ष सुधीर कुमार ने कहा कि शिक्षा के निजीकरण, बाजारीकरण और सांप्रदायिकीकरण के कारण गरीब एवं वंचित वर्ग के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा लगातार कठिन होती जा रही है। ऐसे में शिक्षा व्यवस्था को बचाने और छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए 15 जुलाई का विधानसभा मार्च महत्वपूर्ण साबित होगा। जिला अध्यक्ष दीपक कुमार धीरज ने कहा कि समस्तीपुर जिले के सभी प्रखंडों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से हजारों छात्र-छात्राएं विधानसभा मार्च में भाग लेने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए जिलेभर में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है तथा लगातार बैठकें आयोजित कर छात्रों को जागरूक किया जा रहा है।छात्र नेता अर्जुन कुमार ने कहा कि शिक्षा और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर युवाओं को संगठित होकर अपनी आवाज बुलंद करनी होगी। उन्होंने जिले के सभी छात्र-युवाओं से 15 जुलाई को पटना पहुंचकर विधानसभा मार्च को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने की अपील की।इस अवसर पर एआईएसएफ के राज्य अध्यक्ष सुधीर कुमार, जिला अध्यक्ष दीपक कुमार धीरज, लनामिवि संयोजक अविनाश कुमार एवं छात्र नेता अर्जुन कुमार सहित संगठन के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बड़ी कीमत भावी पीढ़ियों को चुकानी होगी

सरकारों का ऋण लेना अपने-आप में समस्या नहीं है, बशर्ते निवेश उत्पादक योजनाओं या दीर्घकालिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में हो। मगर, फिलहाल ज्यादातर रकम का इस्तेमाल नकदी ट्रांसफर के लिए हो रहा है। वोट खरीद योजनाएं का असर जाहिर होने लगा है। पिछले वित्त वर्ष में राज्य सरकारों ने बाजार से 15.2 फीसदी ज्यादा कर्ज उठाया। ज्यादा कर्ज लेने की होड़ का असर ब्याज दरों पर दिखा। मतलब यह कि अब सरकारों को अधिक महंगी दर पर ऋण लेना पड़ रहा है। भारत सरकार को दस साल के बॉन्ड बेचने के लिए अब लगभग सात प्रतिशत की दर से ब्याज देना पड़ रहे हैं। सरकारों का ऋण लेना अपने-आप में समस्या नहीं है, बशर्ते जुटाई गई रकम का निवेश उत्पादक योजनाओं या दीर्घकालिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में हो रहा हो। मगर, अपने देश में फिलहाल इनमें से बड़ी रकम का इस्तेमाल मतदाताओं के खाते में नकदी ट्रांसफर के लिए हो रहा है। मार्केट रिसर्च एजेंसी क्राइसिल के मुताबिक 2019 तक सिर्फ चार राज्यों में कैश ट्रांसफर की योजनाएं थीं, जबकि अब 28 राज्यों और केंद्र शासित दिल्ली में इन्हें चलाने का बोझा सरकारों पर है। प्रोजेक्टडीप नामक एक संगठन की अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक 2015 के बाद से ऐसी योजनाओं पर सरकारी खर्च में 20 गुना से भी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। ये व्यय अब दो लाख 85 हजार करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच चुकी है। यह भी गौरतलब है कि ये सारी रकम सिर्फ कर्ज लेकर नहीं जुटाई गई है। बल्कि एक्सिस रिसर्च ने पिछले साल अपनी एक अध्ययन रिपोर्ट में कहा था कि इस बजट का बहुत बड़ा हिस्सा सरकारों की व्यय प्राथमिकता में परिवर्तन लाकर और राजकोषीय घाटा बढ़ाते हुए पूरा किया गया है। व्यय प्राथमिकता में परिवर्तन का मतलब है कि दीर्घकालिक एवं मानव विकास की योजनाओं का बजट काट कर प्रत्यक्ष नकदी ट्रांसफर की योजनाएं बढ़ाई गई हैं। चूंकि सरकारों ऐसी योजनाओं के प्रभाव का अध्ययन नहीं करवातीं, इसलिए यह सामने नहीं आ पाता है कि मतदाताओं को तुरंत मिलने राहत की कितनी बड़ी कीमत भावी पीढ़ियों को चुकानी होगी। अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रह्मण्यम ने इन योजनाओं को 'नई कल्याणकारी दृष्टि' कहा है। इससे मतदाताओं को महसूस होता है कि उनके लिए कुछ किया गया है। लेकिन यह किस कीमत पर हुआ है, यह बताने वाला उनके आसपास कोई मौजूद नहीं होता।

परिवर्तन की जड़ें :ई-गवर्नेंस से बदलता ग्रामीण भारत

प्रो. एस. पी. सिंह बघेल

कुछ क्षण केवल एक उपलब्धि भर नहीं होते, वे एक पूरी यात्रा को रोशन कर देते हैं। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के लिए चार पंचायती राज पहलों का चयन ऐसा ही एक क्षण है, ऐसा क्षण जो किसी एक कार्यालय का नहीं, बल्कि हर ग्राम पंचायत और हर उस नागरिक का है, जिसने डिजिटल रूप से सशक्त ग्रामीण भारत के सपने पर भरोसा किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदृष्टि से प्रेरित होकर, भारत की पंचायतें भरोसे, तकनीक और परिवर्तन का एक नया अध्याय लिख रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन के बारह परिवर्तनकारी वर्षों के इस पड़ाव पर यह सम्मान विशेष महत्व रखता है। यह दर्शाता है कि किस प्रकार पंचायती राज संस्थाएं मात्र योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित निकायों से आगेबढ़कर, शासन की तीसरी स्तरीय व्यवस्था की आत्मविश्वासी, सक्षम और तकनीकी रूप से दक्ष संस्थाओं के रूप में स्थापित हुई हैं।

प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा स्थापित राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्कृष्ट लोक सेवा वितरण के लिए देश का सर्वोच्च सम्मान है। इस वर्ष सात श्रेणियों में चयनित 17 परियोजनाओं में से 4 पंचायती राज क्षेत्र से संबंधित हैं, जो जमीनी स्तर पर नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु पिछले बारह वर्षों के निरंतर प्रयासों का स्वाभाविक परिणाम है। ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन के मूल्यांकन हेतु पंचायती राज मंत्रालय की प्रमुख पहल, पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स, को डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इस सूचकांक के आने से पहले, देश की 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए कोई मानकीकृत, डेटा आधारित राष्ट्रीय ढांचा उपलब्ध नहीं था। आज यह सूचकांक डेटा, प्रदर्शन, पहचान और जनभागीदारी को आपस में जोड़ने वाली एक पारदर्शी जवाबदेही व्यवस्था का निर्माण कर रहा है।

उल्लेखनीय यह है कि दो ग्राम पंचायतों ने अपने स्वयं के प्रयासों से यह सम्मान अर्जित किया है। महाराष्ट्र के सांगली जिले की कडेपुर ग्राम पंचायत ने ग्रासरूट स्तर की पहलों की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया है। यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से 1,300 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं, पश्चिम त्रिपुरा की बिजय नगर ग्राम पंचायत को रजत पुरस्कार मिला है। पंचायत ने अपने स्वयं के स्रोतों से आय में लगभग 194 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और महिलाओं के बीच शत-प्रतिशत डिजिटल साक्षरता हासिल की है। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग को 'ई-आरोग्य धमनी0 पहल के माध्यम से दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों

के लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए जिला स्तरीय पहल श्रेणी में गोल्ड अवार्ड के लिए चयनित किया गया। ये पुरस्कार मिलकर एक महत्वपूर्ण संदेश देते हैं। ई-गवर्नेंस में उत्कृष्टता अब केवल राज्यों की राजधानियों या जिला मुख्यालयों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह समान रूप से हमारे गांवों और ग्राम सभाओं में भी स्थापित हो चुकी है। इस वर्ष 30 राज्यों की 1.65 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों ने इसमें भाग लिया, जो हमारे द्वारा मिलकर तैयार की गई संस्थागत क्षमता और विश्वास को दर्शाता है। यह उपलब्धि संयोग से नहीं मिली है। पिछले बारह वर्षों में मंत्रालय ने पंचायतों को निरंतर बेहतर साधन उपलब्ध कराए हैं। ई-ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म के माध्यम से 2.59 लाख से अधिक पंचायतों में योजना निर्माण, बजट और भुगतान प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया है, जिससे पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से ?3.16 लाख करोड़ से अधिक के ऑनलाइन लेन-देन संभव हुए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सभासार प्लेटफॉर्म, जो 23 भारतीय भाषाओं में कार्य करता है, अब 1.35 लाख से अधिक पंचायतों में चंद मिनटों में ग्राम सभा की कार्यवाही तैयार कर देता है। मेरी पंचायत ऐप, जिसे 1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है, विकास कार्यों की जानकारी सीधे नागरिकों तक पहुंचा रहा है। इन प्रयासों के साथ-साथ, स्वामित्व योजना के तहत 3.30 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है तथा जून 2026 के मध्य तक 1.94 लाख गांवों के लिए 3.19 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं, जिससे ग्रामीण परिवारों के संपत्ति अधिकार सुदृढ़ हुए हैं और उन्हें ऋण सुविधा प्राप्त करने में आसानी हुई है। पंद्रहवें वित्त आयोग की अवधि में ग्रामीण स्थानीय निकायों को ?2.82 लाख करोड़ की अनुदान राशि जारी की गई, जो अब तक की सर्वाधिक है। सोलहवें वित्त आयोग ने वर्ष 2026 से 2031 के लिए ?4.35 लाख करोड़ की सिफारिश की है, जो लगभग 84 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने 'सेवा से समृद्धि: पंचायतों के नेतृत्व में सेवा वितरण' विषय पर क्षेत्रीय कार्यशालाओं की एक श्रृंखला शुरू की है। इन कार्यशालाओं में पंचायत प्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी और विषय विशेषज्ञ मिलकर स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका और बुनियादी सुविधाओं जैसे क्षेत्रों में लोगों तक बेहतर सेवाएं पहुंचाने के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से सफल स्थानीय पहलों और नवाचारों को साझा किया जा रहा है, ताकि राज्य एक-दूसरे के अनुभवों से सीख सकें और अच्छे मॉडलों को व्यापक स्तर पर अपनाया जा सके। इनकी उपयोगिता और विस्तार की संभावनाएं बहुत व्यापक हैं। एनएईजी 2026 में चयनित पंचायती राज संस्थाओं की उपलब्धियां देशभर की पंचायतों को प्रेरित कर रही हैं, और अनेक पंचायतें अपने गांवों में बेहतर सेवाएं पहुंचाकर समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने के लिए ऐसे मॉडलों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सदैव यह बल देते रहे हैं कि सुशासन वही है जो नागरिकों का जीवन सरल बनाए। पारदर्शी और तकनीक सक्षम व्यवस्थाओं के माध्यम से प्राप्त 'ईज ऑफ लिविंग' ही किसी सरकार की मंशा और क्षमता की सच्ची कसौटी है। यह एक सार्वभौमिक सत्य है कि दूसरों का सम्मान करना स्वयं के सम्मान का मार्ग प्रशस्त करता है। पंचायतों को डिजिटल साधनों से सशक्त बनाकर और उनकी क्षमता पर विश्वास जताकर, केंद्र सरकार ने इस महत्वपूर्ण मंच पर देश को सम्मानित होने का मार्ग प्रशस्त किया है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, सशक्त पंचायतों की भूमिका और भी केंद्रीय होती जा रही है। लगभग 90 करोड़ नागरिकों के ग्रामीण भारत में निवास करने के साथ, हमारी पंचायती राज संस्थाओं की मजबूती ही हमारी सामूहिक प्रगति की गति तय करेगी। विकसित पंचायत, विकसित भारत से अलग नहीं, बल्कि उसकी सबसे मजबूत नींव है। ये चार राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार बेहतर प्रदर्शन, प्रगति और निरंतर आगे बढ़ने के प्रतीक हैं। ये जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे प्रत्येक सरपंच, पंचायत सचिव और महिला जनप्रतिनिधि के लिए एक प्रेरणा हैं कि उनके समर्पण और प्रयासों को पहचान मिल रही है, उनकी सराहना की जा रही है और उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। बारह वर्षों के निरंतर प्रयासों ने ही ऐसी उत्कृष्टता के उभरने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। एनएईजी 2026 में मिली पहचान से लेकर देशभर में बढ़ती सेवा से समृद्धि कार्यशालाओं की गति तक, यह सफलता इस बात की पुष्टि करती है कि ग्रामीण भारत में ई-गवर्नेंस की जड़ें वास्तव में गहरी हो चुकी हैं, और विकसित पंचायत के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण की यह यात्रा हर गुजरते वर्ष के साथ और सशक्त होती जा रही है।

(लेखक केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री हैं।)

शी-लीप्स : लखपति दीदियों के लिए डिजिटल सशक्तिकरण

तेजबहादुर सिंह भुवाल

-महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूह उद्यमों के लिए डेटा-संचालित विकास को सक्षम बनाना - डिजिटल सशक्तिकरण के माध्यम से ग्रामीण आजीविका में परिवर्तन लाना

-शी-लीप्स का अर्थ समृद्धि और स्थिरता के लिए स्वयं-सहायता उद्यमी-आजीविका और उद्यम एप्लीकेशन है। यह भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक डिजिटल मंच है। इसे उद्यम निर्माण और प्रदर्शन ट्रैकिंग के लिए एक एकीकृत मंच के माध्यम से किया जा रहा है। शी-लीप्स ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका सृजन, उद्यम विकास और वित्तीय समावेशन का समर्थन करता है। यह कृषि और गैर-कृषि दोनों प्रकार के ग्रामीण उद्यमों को सहायता प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य एक मजबूत और अधिक दीर्घकालिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन को डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा तैयार किया गया है और इसे एलओकेओएस प्लेटफॉर्म के अंतर्गत कार्यान्वित किया गया है। एलओकेओएस एक डिजिटल सिस्टम है जिसे भारत भर में सामुदायिक संगठनों (सीबीओ) की गतिविधियों को रिकॉर्ड करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन और क्लस्टर स्तरीय संघ शामिल हैं। एलओकेओएस सीबीओ की गतिविधियों को डिजिटाइज़ करने में सहायता करता है, जैसे कि सदस्यों के रिकॉर्ड, वित्तीय लेनदेन और आजीविका संबंधी रिकॉर्ड रखना और समन्वय पहलों पर निगरानी रखना। शी-लीप्स का शुभारंभ 29 जून, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में किया गया। 'ग्रामोदय से राष्ट्रोदय' विषय पर आधारित इस दो दिवसीय सम्मेलन में प्रमुख ग्रामीण विकास योजनाओं के कार्यान्वयन और प्रगति की

समीक्षा की गई। इसका मुख्य उद्देश्य सरकार के 'विकसित ग्राम-विकसित भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए रणनीतियां तैयार करना था।

शी-लीप्स का राष्ट्रव्यापी शुभारंभः शी-लीप्स निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने पर केंद्रित हैः देशभर में ग्रामीण स्वयं सहायता समूह की महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों का सृजन और उन्हें मजबूत बनाना। ग्रामीण उत्पादकों को औपचारिक मूल्य श्रृंखलाओं से एकीकृत करना। स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) परिवारों की वित्तीय समावेशन को बढ़ाना। डेटा आधारित ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना। शी-लीप्स को 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यान्वित किया जाएगा। यह चयनित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों की सहायता करेगा। यह प्लेटफॉर्म वास्तविक समय में उद्यमों का डेटा एकत्र करता है, जिससे ग्रामीण आर्थिक गतिविधियों की बेहतर जानकारी मिलती है। इसके परिणामस्वरूप, यह प्रणाली कई स्तरों पर निगरानी को भी मजबूत करती है। इससे स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर निर्णय लेने में सहायता मिलेगी।

उद्यम विकास के लिए डिजिटल सेवाएंः शी-लीप्स विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक समय के परिचालन डेटा को एकत्रित करता है और आजीविका की पूरी यात्रा की निगरानी करता है। यह प्लेटफॉर्म प्रोफाइल निर्माण से लेकर उद्यम प्रदर्शन ट्रैकिंग तक हर चरण में सहायता प्रदान करता है। यह डिजिटल निगरानी को और मजबूत बनाता है, शासन में सुधार करता है और बेहतर योजना, हस्तक्षेप और सूचित नीतिगत निर्णयों को सक्षम बनाता है। शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन द्वारा दी जाने वाली सेवाएं इस प्रकार हैंः शी-लीप्स, आय वृद्धि और उद्यम प्रदर्शन की संपूर्ण निगरानी प्रदान करके लखपति दीदी मिशन को मजबूती प्रदान करेगा। हाल ही में, सरकार ने लखपति दीदी योजना का लक्ष्य 3 करोड़ महिलाओं से बढ़ाकर 6 करोड़ कर दिया है। सरकार अगले पांच वर्षों में लखपति दीदियों के लाभ के लिए 10 लाख करोड़ रुपये जारी करने की योजना बना रही है। यह महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की एक बड़ी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसलिए, शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन बड़े पैमाने पर उद्यम विस्तार को समर्थन देने की इस योजना का एक अभिन्न अंग है। महिलाओं के नेतृत्व वाली एक सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण शी-लीप्स डिजिटल अवसंरचना, उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण को मिलाकर ग्रामीण डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उद्यम विकास को समर्थन देकर और वित्तीय समावेशन को मजबूत करके, यह मंच लखपति दीदी मिशन को देशव्यापी स्तर पर फैलाने में सहायता करेगा। यह समावेशी और दीर्घकालिक ग्रामीण परिवर्तन का एक प्रमुख प्रेरक बनने के लिए तैयार है।

आज का राशिफल

मेष राशि : मेष राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। आपकी योजनानुसार सभी काम होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। नयी तकनीक अपनाने से आपके व्यापार में वृद्धि होने की संभावना है साथ ही उत्पादन क्षमता भी बढ़ेगी। किसी को उधार दिया हुआ पैसा आज आपको अचानक वापस मिल सकता है।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे। आज घर पर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। वाहन सुख प्राप्त होने के आसार दिख रहे हैं। आज पठन-पाठन के कार्य में आपका रुझान बढ़ेगा। आपको जीवनसाथी से काम में पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में आज साझेदारी से आपको लाभ हो सकता है।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपके दिन की शुरुआत बेहतरीन रहेगी। किसी करीबी रिश्तेदार की समस्या को हल करने में आज आपकी विशेष भूमिका रहेगी। आज किसी की सलाह मानने से पहले उसके सभी पहलुओं पर अच्छी तरह सोच-विचार जरूर करें। स्वयं पर भरोसा रखें, सफलता जरूर मिलेगी।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन नई उम्मीदों से भरा रहेगा। विदेश जाने का सपना आज पूरा होगा। इस राशि के स्टूडेंट्स का दिन राहत भरा होगा। नया स्टडी शेड्यूल बनाने का भी विचार कर सकते हैं। अपना हर काम योजनाबद्ध तरीके से करना और अपने कामों के प्रति एकाग्र रहना आज आपको सफलता दिलाएगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। आज अध्यात्म की ओर आपका रुझान बढ़ेगा और परिवार में धार्मिक अनुष्ठान की योजना बन सकती है। कुछ दिनों से चल रही किसी दोस्त से अनबन आज खत्म हो जाएगी और आपके रिश्ते में मिठास आएगी। राजनीति व सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा। आज आपको किस्मत का साथ मिलने से कार्यों को समय से पूरा करने में सफलता मिलेगी। ऑफिस में किसी जरूरी काम को लेकर विचार-विमर्श करना पड़ सकता है। इस राशि के जो लोग मल्टीनेशनल कंपनी में काम करते हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद खास है। आपका झुकाव किसी नए काम की ओर हो सकता है।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को आज ऑफिशियल यात्रा से जुड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आज बिजनेस में आपको बड़ा धन लाभ होगा। आपके प्रति शत्रुभाव रखने वाले लोग आज आपसे दूरियां बनाकर रहेंगे। लेखक आज नई स्टोरी लिखेंगे, जिसे लोगों द्वारा खूब पसंद किया जाएगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज घर और व्यवसाय दोनों जगह अच्छा सामंजस्य बना रहेगा। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं। कामयाबी अवश्य मिलेगी। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज आप अपने मन की बात किसी खास मित्र से शेयर करेंगे। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी का प्लान बन सकता है। आज किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में जाएंगे, जहां बाकी दोस्तों के साथ इंजॉय करने का मौका मिलेगा। आज आप नई स्किल सीख सकते हैं, जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। एकाग्र मन से किया गया काम आज लाभदायक साबित होगा। आज आध्यात्मिक कामों में कुछ समय बिताने से मानसिक सुकून महसूस करेंगे। आज किसी भी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से बचें। स्वास्थ्य में स्थिरता बनी रहेगी।

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे। साथ ही जीवनसाथी के साथ किसी जरूरी मुद्दे पर आपकी लंबी बातचीत हो सकती है। इससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने की प्लानिंग कर सकते हैं। विद्यार्थी आज अपना समय व्यर्थ में जाया करने से बचें। साथ ही अपनी स्टडी प्लानिंग को रिन्यू करें।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन नए विचारों के साथ शुरू होने वाला है। आपका अच्छा व्यवहार समाज में सबसे अलग और नई पहचान बनाने में मदद करेगा। घर पर डेकोरेशन का काम करवा सकते हैं। कॉन्ट्रैक्टर्स के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है। आज अपने डेली रूटीन में कुछ बदलाव कर सकते हैं। किसी काम को करने का नया तरीका बिज़नस में फायदा करायेगा।

बिहार में कानून-व्यवस्था की बहस और चिराग पासवान की नई राजनीतिक भूमिका

डॉ. निवेदिता शर्मा

बिहार में कानून-व्यवस्था की बहस और चिराग पासवान की नई राजनीतिक भूमिका

बिहार की राजनीति में कई बार विपक्ष से अधिक असहज सवाल सत्ता के भीतर से उठते हैं। यही इस समय हो रहा है। भोजपुर के भरत तिवारी प्रकरण और राजगीर में दो दलित युवकों की हत्या ने कानून-व्यवस्था पर बहस छेड़ी ही थी, लेकिन इस बहस को निर्णायक मोड़ तब मिला जब केंद्र सरकार के मंत्री और एनडीए के प्रमुख सहयोगी चिराग पासवान स्वयं पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचे।

भारतीय राजनीति में संवेदना का सबसे बड़ा प्रमाण बयान नहीं, उपस्थिति होती है। घटनास्थल पर पहुंचना केवल औपचारिकता नहीं होता; वह संदेश होता है कि सत्ता जनता की पीड़ा से दूर नहीं है। यही कारण है कि भरत तिवारी के गांव जाकर उनकी मां से मिलना, परिवार को न्याय का भरोसा देना और उसके बाद उसी सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाना, जिसका वे स्वयं हिस्सा हैं, सामान्य राजनीतिक घटना नहीं है। चिराग ने भरत तिवारी की मौत को केवल पुलिस कार्रवाई का मामला नहीं माना। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा कि यदि यह हत्या है, तो लोकतंत्र में इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने लाइन हाजिर किए गए डीएसपी की पोस्टिंग पर भी सवाल उठाए और इसे कार्रवाई से अधिक पुरस्कार जैसा बताया। इसके पहले वे अमित शाह से मिलकर पूरे मामले की जानकारी दे चुके थे। संदेश स्पष्ट था—जांच ऐसी हो जिस पर जनता को भरोसा हो। यहीं राजनीति रोचक भी हो जाती है और गंभीर भी।

आमतौर पर गठबंधन सरकारों में सहयोगी दल विवादास्पद मामलों पर संयमित भाषा का प्रयोग करते हैं। लेकिन चिराग पासवान ने संयम और चुप्पी के बीच का अंतर समझाया। उन्होंने सरकार गिराने की बात नहीं की, लेकिन सरकार को आईना जरूर दिखाया। लोकतंत्र में शायद सहयोगी की यही सबसे रचनात्मक भूमिका होती है। इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष उतना ही महत्वपूर्ण है। बिहार की राजनीति में कभी ऐसी परंपरा रही है कि बड़ी

घटनाओं के बाद नेता सबसे पहले पीड़ित परिवार तक पहुंचते थे। कर्पूरी ठाकुर, लालू प्रसाद यादव, सुशील कुमार मोदी, रामविलास पासवान, यशवंत सिन्हा और जगन्नाथ मिश्र, जैसे नेता घटनास्थल की राजनीति करते थे, और यह राजनीति नकारात्मक अर्थ में नहीं, बल्कि जनता के बीच उपस्थित रहने की राजनीति थी।

इस पूरे घटनाक्रम में पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन की सक्रियता का भी उल्लेख आवश्यक है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने स्वयं को ऐसे जनप्रतिनिधि के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है जो किसी भी बड़ी दुर्घटना, हिंसा या प्रशासनिक विवाद के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित परिवारों के बीच मौजूद रहता है। चाहे सड़क दुर्घटना हो, अपराध की घटना हो या सामाजिक तनाव, उनकी राजनीति का एक प्रमुख पक्ष प्रत्यक्ष उपस्थिति रहा है। यदि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि की पहली जिम्मेदारी जनता के दुख-दर्द में सहभागी होना है, तो यह परंपरा राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सभी दलों के नेताओं के लिए अनुकरणीय होनी चाहिए। इस दृष्टि से चिराग पासवान और पप्पू यादव—दोनों ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि पीड़ित परिवार के दरवाजे तक पहुंचना केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व भी है। अंततः जनता भाषणों से अधिक नेताओं की संवेदनशील उपस्थिति को याद रखती है। आज राजनीति का बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया की स्क्रीन पर सिमटता जा रहा है। संवेदना अब कई बार पोस्ट में दिखाई देती है, पहुंचने में नहीं। यही बदलाव लोकतंत्र और जनता के बीच दूरी भी बढ़ाता है। यह कहना अतिशयोक्ति होगी कि केवल एक नेता के पहुंच जाने से बाकी सभी छोटे हो जाते हैं। लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि ऐसे समय में जो नेता जोखिम उठाकर पीड़ित परिवार तक पहुंचता है, वह राजनीतिक संदेश भी देता है और नैतिक उपस्थिति भी दर्ज कराता है। राजनीति में कई बार प्रतीक ही सबसे बड़ी भाषा बन जाते हैं।

सरकार के सामने भी चुनौती कम नहीं है। एक ओर मुख्यमंत्री और सरकार अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का संदेश दे रहे हैं। दूसरी ओर, पुलिस कार्रवाई पर ही सवाल उठ रहे हैं। कानून का राज केवल अपराधियों के विरुद्ध सख्ती से स्थापित नहीं होता; वह पुलिस की जवाबदेही से भी स्थापित होता है। यदि पुलिस की कार्रवाई पर संदेह पैदा हो, तो निष्पक्ष जांच सरकार की मजबूरी नहीं, लोकतांत्रिक जिम्मेदारी बन जाती है। चिराग पासवान की सक्रियता का राजनीतिक अर्थ भी है। वे पिछले कुछ वर्षों से स्वयं को केवल एक सहयोगी दल के नेता के रूप में नहीं, बल्कि दलित समाज, युवाओं और पीड़ित परिवारों की आवाज़ के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। भरत तिवारी और राजगीर—दोनों मामलों में उनका हस्तक्षेप इसी रणनीति का विस्तार भी माना जाएगा। इससे वे गठबंधन में रहते हुए भी अपनी अलग राजनीतिक पहचान गढ़ते दिखाई देते हैं। सरकार के लिए इस संदेश को समझना आवश्यक है। गठबंधन में असहमति हमेशा कमजोरी नहीं होती। कई बार वही सरकार को अधिक उत्तरदायी बनाती है। लेकिन यदि सहयोगी दल के सवालों को भी केवल राजनीति कहकर टाल दिया जाए, तो इससे जनता के मन में संदेह और गहरा होता है।

अंततः यह बहस किसी एक नेता की नहीं, शासन की विश्वसनीयता की है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

फीफा विश्वकप : अर्जेंटीना उलटफेर से बाल बाल बची, काबो वर्दे को हराकर अंतिम 16 में पहुंची

एजेंसी, मियामी

पूर्व विश्व चैम्पियन अर्जेंटीना को बमुश्किल काबो वर्दे के खिलाफ जीत मिली है। इस मैच में छह लाख की आबादी वाली वर्दे ने अर्जेंटीना का पसीना निकाल दिया। इस जीत के साथ ही अर्जेंटीना की टीम फीफा विश्वकप कप फुटबॉल के राउंड ऑफ-16 में पहुंच गयी है। केवल 6 लाख की आबादी वाले वर्दे ने पूर्व विजेता को पूरे मैच में एक बार भी सांस लेने का अवसर नहीं दिया। अर्जेंटीना की टीम काफी प्रयासों के बाद अतिरिक्त समय में 3-2 से जीती जबकि एक समय तो वह डॉ पर मजबूर होती दिख रही थी।

यह मुकाबला अर्जेंटीना के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं था, जहाँ उन्हें पहली बार विश्व कप खेल रहे वर्दे जैसी कमजोर टीम ने इतनी कड़ी टक्कर दी। मैच की शुरुआत में कप्तान लियोनेल मेसी ने 29वें मिनट में ही एक शानदार गोल दागकर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। जिससे लगा कि वह आसानी से जीत लेगी। पहले हाफ तक अर्जेंटीना की टीम अपनी बढ़त बनाए रखने में सफल रही पर दूसरे हाफ में वर्दे ने अपनी जुझारू भावना का परिचय दिया। 59वें मिनट में वर्दे की ओर से डेरॉय डुआर्टे ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया और मैच को पूरी तरह से बराबरी पर ला दिया। 90 मिनट के तय समय तक स्कोर बराबारी पर रहा। इससे मुकाबला अतिरिक्त टाइम में चला गया, इसमें मांचक मुकाबाला।

अतिरिक्त टाइम के पहले हाफ में, अर्जेंटीना के लिसैंड्रो मार्टिनेज ने 93वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को एक बार फिर 2-1 से आगे कर दिया। अर्जेंटीनी प्रशंसक अभी राहत की साँस ले ही रहे थे कि पासा एक बार फिर पलट गया। सिर्फ पाँच मिनट बाद, ही वर्दे के सिडनी लोपेज कैब्राल ने एक अविश्वसनीय गोल दागकर स्कोर को 2-2 से बराबर कर दिया। इस बराबरी से अर्जेंटीना के खेमे में सन्नाटा छा गया। प्रशंसकों को लगा कि अर्जेंटीना का सफर यहीं थम जाएगा पर दूसरे हाफ में, जब मैच समाप्ति की ओर बढ़ रहा था तभी मेसी ने एक शानदार कॉर्नर किक लगाई। इस किक को क्रिस्टियन रोमेरो ने गोल में बदल कर अपनी टीम को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिला दी। यह गोल न सिर्फ अर्जेंटीना के लिए जीत का जरिया बना, बल्कि उसने डिफेंडिंग चैंपियन की साख भी बचा ली। काबो वर्दे ने भले ही यह मैच गंवा दिया हो, लेकिन उसने अपने प्रदर्शन से दुनियाभर के फुटबॉल प्रेमियों का दिल जीत लिया।

विश्वकप से बाहर हुई सेनेगल टीम में उभरे मतभेद, स्टार मिडफील्डर पापे ने लिया ब्रेक

एजेंसी, न्यूजर्सी

फीफा विश्वकप फुटबॉल से बाहर होने के बाद सेनेगल टीम में मतभेद खुलकर सामने आ गये हैं। यहां तक कि स्टार मिडफील्डर पापे गुए ने टीम से अनिश्चितकालीन समय तक बाहर रहने की घोषणा कर दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जब तक मौजूदा तकनीकी स्टाफ टीम के साथ रहेगा, वह सेनेगल की जर्सी नहीं पहनेंगे। यह सब राउंड ऑफ-32 के उस बेहद रोमांचक मुकाबले के बाद हुआ, जहां सेनेगल का सामना बेल्जियम से था। मैच के 51वें मिनट तक सेनेगल ने 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी पर बाद में उसे 3-2 से हार का सामना करना पड़ा था। गुए की नाराजगी का एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि उन्हें मैच के लगभग एक घंटे बाद कोच पापे थियाव ने मैदान से बाहर बुलाकर उनकी जगह लमीन कामारा को उतारा था, वही खिलाड़ी जिसने बाद में निर्णायक पेनाल्टी के लिए फाउल किया। इस हार के तुरंत बाद, पापे गुए ने सोशल मीडिय पर अपनी गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा, मैं बाद में इस हार पर विस्तार से बात करूंगा, लेकिन फिलहाल इतना कह रहा हूं कि जब तक यही तकनीकी स्टाफ टीम के साथ रहेगा, मैं राष्ट्रीय टीम से ब्रेक ले रहा हूं। उनका यह बयान टीम में गहरे मतभेद का संकेत दे रहा है और सवाल उठा रहा है कि क्या यह हार केवल एक खेल का नतीजा थी या इसमें रणनीतिक गलतियाँ भी शामिल थीं। हालांकि सेनेगल वर्ल्ड कप से बाहर हो गया, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में पापे गुए का व्यक्तिगत प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने अपनी टीम के लिए तीन महत्वपूर्ण गोल किए और एक असिस्ट भी दिया। इराक के खिलाफ 5-0 की शानदार जीत में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था, जो उनके फॉर्म और टीम के लिए उनके महत्व को दर्शाता है। एक व्यक्तिगत रूप से सफल प्रदर्शन के बाद टीम से ब्रेक लेने का उनका फैसला उनके असंतोष की गहराई को उजागर करता है।

फीफा विश्व कप में 30 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने मेसी

- **20वां गोल कर गोल्डन बूट की दौड़ में नंबर एक पर पहुंचे**

एजेंसी, मियामी

अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनल मेसी ने फीफा विश्व कप फुटबॉल में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। काबो वर्दे के खिलाफ मुकाबले में उतरते ही मेसी विश्वकप में 30 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। मेसी ने इस मैच के 29वें मिनट में एक शानदार गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलायी थी। मेसी का काबो वर्दे के खिलाफ यह गोल उनके विश्व कप करियर का 20वां गोल था, जिसके साथ वह फीफा विश्व कप में 20 गोल का आंकड़ा पार करने वाले पहले फुटबॉलर भी बन गए हैं। यह उपलब्धि उनकी गोल स्कोरिंग क्षमता और बड़े मंच पर उनके प्रभाव को सिद्ध करती है। मौजूदा टूर्नामेंट में यह मेसी का सातवां गोल था, और इस गोल के साथ ही उन्होंने गोल्डन बूट की दौड़ में फ्रांस के दिग्गज खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे को पीछे छोड़ दिया है। वर्दे के खिलाफ दागा गया यह गोल फीफा विश्व कप में उनके लगातार आठवें मैच में किया गया गोल था, जो उनकी अविश्वसनीय स्कोरिंग क्षमता और दबाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन करने की प्रवृत्ति का प्रमाण है। राउंड ऑफ 32 के इस बेहद रोमांचक मुकाबले में अर्जेंटीना और काबो वर्दे के बीच जोरदार मुकाबला हुआ।

फीफा विश्व कप 2026 के दौरान सोशल मीडिया पर अभद्रता के मामले बढ़े

एजेंसी, अटलांटा। अमेरिका, कनाडा और मैक्सको में खेले जा रहे विश्ककप फुटबॉल मुकाबलों के दौरान सोशल मीडिया पर अभद्रता की घटनाएं भी तेजी से बढ़ी हैं और ये पिछले विश्वकप से अधिक हैं। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने ये खुलासा किया है। फीफा के अनुसार ग्रुप स्तर के मुकाबलों के दौरान ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट की संख्या में काफी तेजी आई है। संगठन की डिजिटल मॉनिटरिंग टीम ने कुल 89,000 ऐसे पोस्ट की पहचान की है, जो 2022 कतर विश्व कप की तुलना में 13 गुना अधिक हैं। इस दौरान नस्लीय टिप्पणियों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है, और 100 से अधिक मामलों में कानूनी कार्रवाई की तैयारी चल रही है। ये आपत्तिजनक पोस्ट मुख्य रूप से खिलाड़ियों, भाग लेने वाली टीमों और मैच अधिकारियों को निशाना बनाकर की गई थीं। फीफा के सोशल मीडिया प्रोटेक्शन सर्विस (एसएमपीएस) ने इस विशाल डेटा का विश्लेषण किया। 2026 विश्व कप के ग्रुप स्टेज के दौरान, एसएमपीएस ने 60 लाख से अधिक सोशल मीडिया पोस्ट और कमेंट्स की निगरानी की, जो 2022 विश्व कप के मुकाबले 33 फीसदी ज्यादा हैं। विश्लेषण में सामने आया कि इन पोस्ट्स में से 11 फीसदी सीधे तौर पर नस्लीय दुर्व्यवहार से संबंधित थीं।

सैमसन विदेशी धरती पर पिछली दस पारियों में आठ बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंचे

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का विदेशी धरती पर पिछले कुछ समय से प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और वह पिछली 10 पारियों में 5 बार तो खाता तक नहीं खोल पाये हैं। वहीं पिछली दस पारियों में वह आठ बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंचे है। हाल में हुए मुकाबलों में वह लगातार शुरुआती ओवरों में ही अपना विकेट गंवा बैठे हैं। इससे टीम के प्रदर्शन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। मौजूदा टीम के सबसे सीनियर खिलाड़ियों में से एक होने के कारण उन पर बेहतर प्रदर्शन करने का भारी दबाव है क्योंकि सलामी बल्लेबाज के तौर पर वैभव सूर्यवंशी सहित कई युवा खिलाड़ी अवसर के इंतजार में हैं। ऐसे में अगर वह रन नहीं बनाते तो उनके लिए टीम में जगह बनाये रखना कठिन होगा। सैमसन के विदेशी धरती पर आंकड़ों पर ध्यान दें तो उनके लिए टीम में बने रहना कठिन हो गया है। पिछली 10 पारियों में वह विदेशी धरती पर दो बार ही शतक लगा पाये हैं। इसके अलावा वे दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं। हैरानी की बात यह है कि इस दौरान संजू पांच बार बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटे हैं, जो किसी भी अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज के लिए चिंता का विषय है। इसी कारण इस टी20 सीरीज में सैमसन के लिए अपनी जगह बचा पाना कठिन हो रहा है। पिछले तीन टी20 मैचों में उनका बल्ला शांत रहा है और वे बहुत जल्दी पवेलियन लौटे हैं।

बिजनेस

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने खिलौना उद्योग से निर्यात को 10 गुना बढ़ाने का किया आह्वान

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को भारतीय खिलौना निर्माताओं से अगले चार वर्षों में खिलौनों के निर्यात को 10 गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत-पेरू के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चल रही वार्ता के जल्द संपन्न होने की संभावना नहीं है। हालांकि, वाणिज्य मंत्री ने भारत-कनाडा एफटीए के संबंध में सकारात्मक संकेत दिए।

पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित 17वें टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने भारतीय खिलौना उद्योग से अगले चार वर्षों में खिलौनों के निर्यात को 10 गुना बढ़ाने का लक्ष्य तय करने का आह्वान किया। उन्होंने अपने संबोधन में खिलौना उद्योग को आश्वासन दिया कि सरकार गुणवत्ता मानकों (क्यूसीओ) को वापस नहीं लेगी। पीयूष गोयल ने पूरे भारत में खिलौना निर्माण क्लस्टर्स के लिए आधुनिक टेस्टिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया है। वाणिज्य मंत्री ने 17वें 'टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2026' में खिलौना आयात करने वाले देश से निर्यातक बनने तक के भारत के सफर का ज्रिक करते हुए कहा कि यह सेक्टर और भी तेजी से बढ़ने के लिए तैयार है क्योंकि हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से नए बाजार खुलेंगे। उन्होंने खिलौना उद्योग से कहा कि वे क्वालिटी, सुरक्षा और ग्लोबल स्टैंडर्ड्स को प्राथमिकता दें, ताकि वैश्विक खिलौना निर्माण और निर्यात हब के तौर पर भारत की स्थिति और मजबूत हो सके। गोयल ने यहां आयोजित 17वें 'टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो' से इतर संवाददाताओं से कहा, "कुछ चिंताएं हैं, कई ऐसे उत्पाद हैं, जहां हम उन्हें बाजार पहुंच की अनुमति नहीं दे सकते। मुझे नहीं लगता कि पेरू के साथ एफटीए बहुत जल्द होने जा रहा है।" हालांकि, उन्होंने भारत-कनाडा एफटीए के संबंध में सकारात्मक संकेत दिए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि कुछ उत्पादों में बाजार पहुंच संबंधी चिंताओं के कारण भारत-पेरू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चल रही बातचीत के जल्द संपन्न होने की संभावना नहीं है। दूसरी ओर भारत-कनाडा एफटीए के संबंध में मंत्री ने बताया कि भारतीय अधिकारियों का एक दल बातचीत के अगले दौर के लिए सोमवार को कनाडा जाएगा। गोयल ने कहा, 'कनाडा के साथ एफटीए वार्ता अच्छी प्रगति पर है। हमारी टीम अगले दौर की बातचीत के लिए सोमवार को जा रही है। हमारी कोशिश है कि हम अगले छह महीनों में इसे अंतिम रूप दे दें।' केंद्रीय मंत्री ने यह बताया कि वह 13 जुलाई को विदेश मंत्री एस. जयशंकर और सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ ब्रसेल्स जाएंगे, जहां वे 'भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद' (टीटीसी) की बैठक में हिस्सा लेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत और पेरू के बीच प्रस्तावित एफटीए के लिए बातचीत साल 2017 में शुरू हुई थी। वैश्विक खिलौना बाजार लगभग 120 अरब डॉलर का है लेकिन इसमें भारत की हिस्सेदारी अभी मात्र 0.2 से 0.3 फीसदी है। हालांकि, पिछले चार वर्षों में खिलौनों के निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है।

सरकार ने प्याज की खरीद कीमत 13 फीसदी बढ़ाकर 2,125 रुपये प्रति क्विंटल किया

एजेंसी, नई दिल्ली

सरकार ने प्याज की खरीद कीमत 13 फीसदी बढ़ाकर 2,125 रुपये प्रति क्विंटल कर दी है। इससे प्याज किसानों को बेहतर रिटर्न मिलेगा और बफर खरीद मजबूत होगी। नई दरें 4 जुलाई से प्रभावी हो गई है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि केंद्र सरकार ने 'प्राइस स्टेबलाइजेशन बफर' (कीमतों को स्थिर रखने के लिए बनाए गए स्टॉक) के लिए प्याज की खरीद कीमत 13 फीसदी बढ़ा दी है, जो 1,875 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,125 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। ये नई खरीद कीमत 4 जुलाई से प्रभावी हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार के 'प्राइस स्टेबलाइजेशन बफर' के लिए भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नाफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) के जरिए प्याज की खरीद का काम चल रहा है। प्याज खरीद की ये नई कीमत प्याज किसानों को बेहतर आमदनी दिलाएगी और बफर स्टॉक बनाने की कोशिशों में भी मदद करेगी। वहीं, कृषि और किसान कल्याण विभाग के 2025-26 के दूसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, प्याज का उत्पादन 307.37 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) रहने का अनुमान है, जो 2024-25 में हुए 307.67 एलएमटी के उत्पादन के लगभग बराबर है। मंत्रालय ने कहा कि प्याज उत्पादन के इन अनुमानों को देखते हुए इस समय प्याज की कुल उपलब्धता चिंता का विषय नहीं है। हालांकि, कीमतों में सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव के कारण थोड़ी बढ़ोतरी की उम्मीद की जा सकती है। वहीं, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में स्टॉक का स्तर पर्याप्त है। फिलहाल, प्याज के भंडार में किसी भी तरह की कमी के कोई संकेत नहीं हैं।

जयपुर में जस-2026 का शुभारंभ, दुबई ज्वैलरी ग्रुप से एमओयू

एजेंसी, जयपुर

राजधानी के सीतापुरा स्थित नोवाटेल जेईसीसी में शुक्रवार से तीन दिवसीय ज्वेलर्स एसोसिएशन शो (जस-2026) का भव्य शुभारंभ हुआ। 3 से 5 जुलाई तक आयोजित इस बी-टू-बी प्रदर्शनी में पहली बार विश्व के जेम्स, ज्वेलरी और डायमंड उद्योग की प्रमुख हस्तियां एक मंच पर एकत्रित हुईं। उद्घाटन समारोह के दौरान दुबई ज्वैलरी ग्रुप और ज्वेलर्स एसोसिएशन जयपुर (जस) के बीच ऐतिहासिक समझौता (एमओयू) भी हुआ, जिससे जयपुर और दुबई के ज्वेलरी कारोबार को नई गति मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम का उद्घाटन मालाबार ग्रुप के वाइस चेयरमैन एवं जीईडी के.पी. अब्दुल सलाम, दुबई ज्वैलरी ग्रुप के चेयरमैन तौहीद अब्दुल्लाह, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य सुरजीत भुजबल तथा राष्ट्रीय रत्न एवं आभूषण परिषद (एनजीजेसीआई) के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने किया। ज्वेलर्स एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला ने कहा कि यह आयोजन राजस्थान के जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग के लिए मील का पत्थर साबित होगा और जयपुर को वैश्विक जेम्स-ज्वेलरी हब के रूप में नई पहचान दिलाएगा। मालाबार ग्रुप के वाइस चेयरमैन एवं जीईडी के.पी. अब्दुल सलाम ने भारतीय ज्वेलरी उद्योग के लिए वैश्विक स्तर का मजबूत ब्रांड विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं दुबई ज्वैलरी ग्रुप के चेयरमैन तौहीद अब्दुल्लाह ने भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के तहत व्यापारिक अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने और जयपुर के कारोबारियों को दुबई के वैश्विक बाजार से जोड़ने का आह्वान किया। सीबीआईसी के सदस्य सुरजीत भुजबल ने कहा कि जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है और केंद्र सरकार इस क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी।

भारत-इजराइल द्विपक्षीय निवेश समझौता हुआ लागू, सीमा-पार निवेश को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और इजराइल के बीच द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईए) शनिवार से प्रभावी हो गया है। भारत और इजराइल की सरकार ने 8 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में बीआईए पर हस्ताक्षर किए थे। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि भारत और इजराइल की सरकार के बीच 8 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित द्विपक्षीय निवेश समझौता 4 जुलाई से लागू हो गया है। बीआईए से सीमा पार निवेश में वृद्धि होने और भारत और इज़राइल के बीच आर्थिक साझेदारी के और गहरा होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा कि बीआईए द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और एक सुरक्षित और पूर्वानुमानित निवेश वातावरण को सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस ऐतिहासिक समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच सुरक्षित निवेश का माहौल बनाना और सीमा-पार निवेश को बढ़ावा देना है, जिससे द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी और गहरी होगी।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि बीआईए निवेश और निवेशकों के निवेशों की सुरक्षा में मजबूत है, साथ ही साथ वैध सार्वजनिक नीति के उद्देश्यों के अनुरूप संप्रभु नीतिगत स्थान बनाए रखने के लिए पर्याप्त लचीला भी है। यह अंतरराष्ट्रीय निवेश कानून के आधुनिक सिद्धांतों और विकसित होते न्यायशास्त्र को दर्शाता है। भारत-इजराइल द्विपक्षीय निवेश समझौता की पूरी प्रति वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

फिल्म

शनाया कपूर दक्षिण सिनेमा में जमाएंगी पैर? फिल्म जॉम्बी रेड्डी के सीक्वल से जुड़ने की चर्चा

श शनाया कपूर के लिए बॉलीवुड का सफर कुछ खास साबित नहीं हुआ। उनकी डेब्यू फिल्म आंखों की गुस्ताखियां (2025) फ्लॉप निकल गई। आदर्श गौरव के साथ सर्वाइवल फिल्म तू या मैं भी बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई। ताजा अपडेट है कि अभिनेत्री तीसरी फिल्म के लिए दक्षिण सिनेमा का रुख करने की तैयारी कर रही हैं। साल 2021 की जॉम्बी कॉमेडी फिल्म जॉम्बी रेड्डी के सीक्वल से अभिनेत्री तेलुगु फिल्म जगत में डेब्यू कर सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जॉम्बी रेड्डी के सीक्वल में शनाया के साथ तेजा सज्जा मुख्य किरदार में नजर आएंगे। तेजा को हनु-मान (2024) और मिराई (2025) जैसी फिल्मों ने जबरदस्त सफलता दिलाई है। बताया जा रहा है कि अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग का एक छोटा शेड्यूल भी पूरा कर लिया है। हालांकि परियोजना से जुड़ी आधिकारिक घोषणा अब तक नही की गई है। यह अलग बात है कि शनाया के फैंस उनके साउथ में डेब्यू को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह पहली दफा नहीं है, जब शनाया का नाम साउथ की किसी फिल्म से जुड़ रहा हो। इससे पहले, उन्हें मोहनलाल की फिल्म वृषभा में शामिल करने का ऐलान किया गया था। नंद किशोर के निर्देशन में बन रही इस परियोजना को एकता कपूर के प्रोडक्शन का समर्थन मिला था। शनाया इस पैन-इंडिया फिल्म की शूटिंग के शुरुआती चरण में शामिल भी हुई थीं, लेकिन फिर खबरें आईं कि तारीख संबंधी समस्याओं के कारण वह फिल्म से अलग हो गईं।

जन नायकन को सीबीएफसी से मिली मंजूरी ! जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देगी विजय की आखिरी फिल्म

त तमिलनाडु के सीएम विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायकन की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. पहले इसे 9 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था, हालांकि इसकी रिलीज डेट सीबीएफसी सर्टिफिकेशन इश्यू की वजह से टलती रही थी. लेकिन अब फैंस के लिए गुड न्यूज है. दरअसल खबरें हैं कि ये फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है. चलिए जानते हैं ये कब थिएटर में दस्तक देगी? रिपोर्ट के मुताबिक, जना नायकन को ए सर्टिफिकेट मिल गया है, जिससे इसकी अब इसकी रिलीज का रास्ता साफ हो गया है. इससे पहले, फिल्म के सर्टिफेकेशन प्रोसेस में मुश्किलें आ गई थीं क्योंकि सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने मंजूरी देने के बजाय दोबारा जांच की मांग की थी. इसके बाद प्रोडक्शन हाउस ने सीबीएफसी के इस फैसले को कोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन बाद में केस वापस ले लिया और रिव्यू प्रोसेस का रास्ता चुना. वहीं सेंसर से मंजूरी मिलने की खबर के बाद, इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि मेकर्स जल्द ही फिल्म की थिएटर रिलीज की अनाउंसमेंट कर सकते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक एच विनोथ के निर्देशन में बनी यह फिल्म जुलाई 2026 में रिलीज हो सकती है. खबरों के मुताबिक, जन नायकन के प्रोड्यूसर्स अभी 16 जुलाई को फिल्म रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं. हालांकि, अगर यह तारीख मुमकिन नहीं हुई, तो 23 जुलाई पर भी विचार किया जा रहा है. विजय की इस फिल्म के लिए 31 जुलाई की तारीख भी एक ऑप्शन हो सकती है, लेकिन इस पर अभी पक्का कुछ नहीं कहा जा सकता क्योंकि उसी दिन उनके बेटे जेसन संजय की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म सिग्मा भी रिलीज हो रही है. वहीं अगर जुलाई में रिलीज मुमकिन नहीं हुई, तो जना नायकन के मेकर्स 7 अगस्त का प्लान बना सकते हैं, क्योंकि ये स्लॉट खाली है. यानी इस दिन कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हो रही है. हालांकि जन नायकन की रिलीज डेट के बारे में प्रोड्यूसर्स की तरफ से अभी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है. जन नायकन का बजट 350 करोड़ से 380 करोड़ के बीच बताया जा रहा है. यानी थलपति विजय की ये काफी मोटी लागत में बनी है. वहीं ये तमिल की सबसे ज्यादा एक्सपेंसिव फिल्मों में से एक बताई जा रही है. गौरतलब है कि इस फिल्म से थलपति विजय की फीस ही 220 से 250 करोड़ के करीब बताई जा रही है. जन नायकन विजय के करियर का एक अहम प्रोजेक्ट है और यह उनकी आखिरी फिल्म भी है, क्योंकि इसके बाद वे पूरी तरह से राजनीति में उतर गए. एच. विनोथ के निर्देशन में बनी इस फिल्म में पूजा हेगड़े मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में हैं. वहीं सपोर्टिंग कलाकारों में बॉबी देओल, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, प्रियामणि, ममिता बैजू, नारायण और कई अन्य शामिल हैं. इसका म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है.

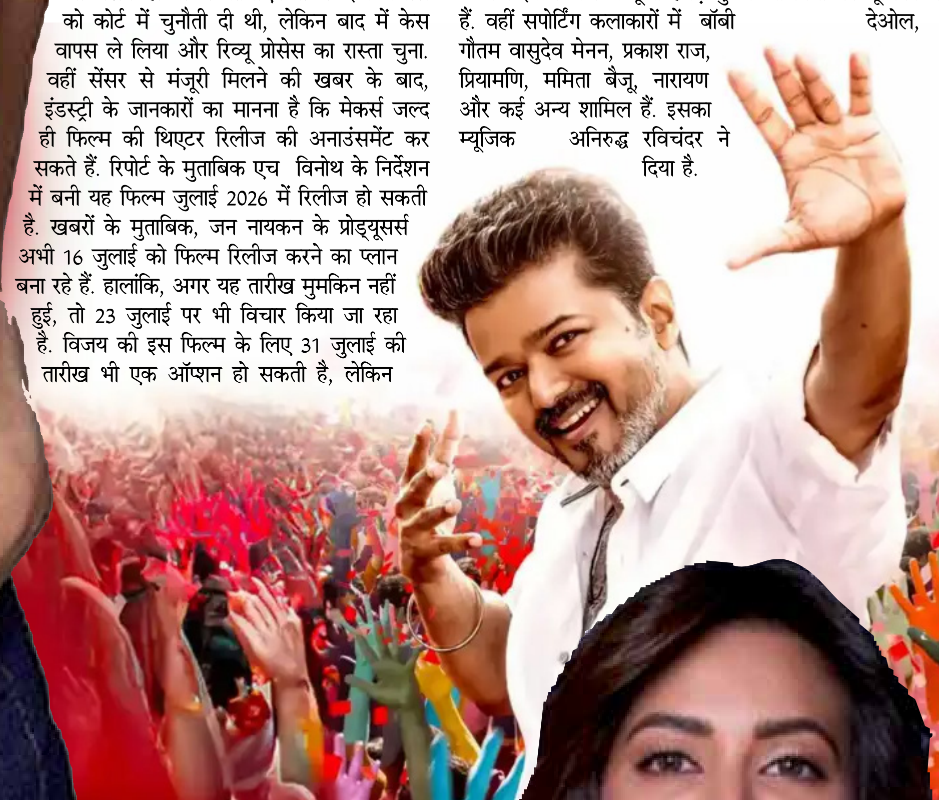

तीसरे सप्ताह में भी कायम है मैं वापस आऊंगा का दम, कैरी ऑन जट्टा 4 की रफ्तार भी हुई धीमी

सि सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। हालांकि बुधवार को लगभग सभी फिल्मों की कमाई में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन इसके बावजूद अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म रही। वहीं पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 और इम्तियाज अली निर्देशित मैं वापस आऊंगा ने भी बॉक्स ऑफिस पर अपना प्रदर्शन जारी रखा। अक्षय कुमार अभिनीत वेलकम टू द जंगल 100 करोड़ रुपये के क्लब की ओर तेजी से बढ़ रही है। हालांकि रिलीज के छठे दिन फिल्म की कमाई में कुछ कमी देखने को मिली। व्यापारिक वेबसाइट सैकनिल्क की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने बुधवार को लगभग 6 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही छह दिनों में फिल्म का कुल भारतीय शुद्ध बॉक्स ऑफिस संग्रह 87.50 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। गिप्पी ग्रेवाल और सरगुन मेहता अभिनीत पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 के कारोबार में भी छठे दिन गिरावट दर्ज की गई। सैकनिल्क की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने बुधवार को 85 लाख रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही छह दिनों में फिल्म की कुल भारतीय शुद्ध कमाई 11.45 करोड़ रुपये हो गई है। निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा तीसरे सप्ताह में भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी हुई है। सैकनिल्क की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने रिलीज के 20वें दिन यानी तीसरे बुधवार को 1.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही भारत में फिल्म की कुल शुद्ध कमाई 50.95 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। फिल्म कारोबार के जानकारों का मानना है कि सप्ताहांत में दर्शकों की संख्या बढ़ने के साथ इन फिल्मों की कमाई में फिर से उछाल देखने को मिल सकता है। हालांकि अंतिम कारोबार के आंकड़ों में मामूली बदलाव संभव है, क्योंकि ये शुरुआती अनुमान हैं।

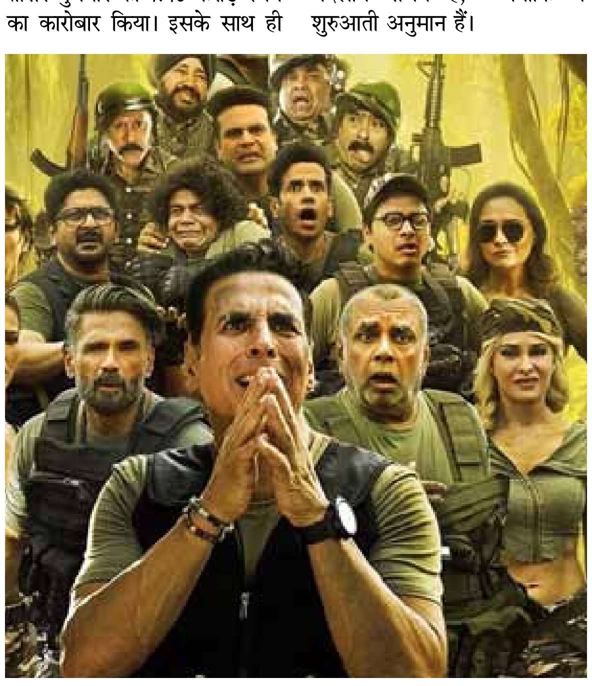

दादू-नानू की याद आ गई, इम्तियाज अली की मैं वापस आऊंगा देखने के बाद इमोशनल हुईं कृति खरबंदा

ए एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने इम्तियाज़ अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा देखने के बाद सोशल मीडिया पर एक बेहद इमोशनल नोट शेयर किया है. उन्होंने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें भीतर तक छू लिया और उनके दिवंगत दादाजी और नानाजी की यादें ताज़ा कर दी हैं. फिल्म से जुड़ी अपनी इमोशंस शेयर करते हुए कृति ने लिखा है कि इस फिल्म को उन्हें अपने दादू और नानू दोनों की याद आ गई. उन्होंने कहा कि वो उन्हें हर दिन याद करती हैं, लेकिन इस फिल्म ने उन्हें रुककर उनके सभी त्यागों के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया, जो पिछली पीढ़ियों ने किए थे. उन्होंने लिखा कि हम अक्सर जिस ज़मीन पर खड़े होते हैं, उसे अपना मान लेते हैं, बिना ये समझे कि शायद किसी ने वहां तक पहुंचने के लिए अपनी पूरी दुनिया पीछे छोड़ दी होगी. विशेष रूप से डायरेक्टर इम्तियाज़ अली को संबोधित करते हुए कृति ने लिखा है, आपकी फिल्में अक्सर घर जैसी लगती हैं. इस बार घर नहीं मिला... इस बार घर की याद मिल गई. उनके इन शब्दों ने खूबसूरती से ये एहसास बयां किया कि फिल्म ने सिर्फ घर की कहानी नहीं दिखाई, बल्कि घर की गहरी याद और उससे जुड़ी इमोशंस को जगा दिया है. कृति ने आगे लिखा कि मैं वापस आऊंगा देखने के बाद घर का अर्थ उनके लिए पूरी तरह बदल गया है. उन्होंने लिखा है, शायद घर सिर्फ वो जगह नहीं होती जहां हम रहते हैं. कभी-कभी घर वो भी होता है, जहां हम कभी वापस नहीं जा पाते. उनके अनुसार, घर केवल एक स्थान नहीं, बल्कि एक ऐसी इमोशन भी हो सकता है, जो हमेशा हमारी यादों में जीवित रहती है, भले ही वहां लौट पाना संभव न हो. कृति ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि इसका प्रभाव इसकी अवधि से कहीं अधिक बड़ा है. उन्होंने लिखा कि कुछ कहानियां पर्दा गिरने के साथ खत्म नहीं होतीं, बल्कि दर्शकों के साथ उनके घर तक जाती हैं और लंबे समय तक उनके दिलों में बस जाती हैं. अपने इमोशंस मैसेज के अंत में कृति ने फिल्म की पूरी टीम का धन्यवाद भी किया है कि उन्होंने एक आम इंसान को नायक के रूप में प्रेजेंट किया है. उन्होंने अपना आभार अपने दादू, नानू और उन जैसे अनगिनत लोगों को समर्पित करते हुए लिखा है, शुक्रिया मेरे दादू और नानू जैसे उन सभी आम आदमी को हीरो बनाने के लिए. इसी के साथ उन्होंने अपने इस मैसेज का समापन दिल वाले इमोजी के साथ किया है. कृति खरबंदा का ये इमोशनली मैसेज सोशल मीडिया पर फैंस के दिलों को छू रहा है और ये दिखाता है कि मैं वापस आऊंगा ने दर्शकों पर कितना गहरा इमोशनल प्रभाव छोड़ा है.

स्कैल्प सीरम का इस्तेमाल करने से मिल सकते हैं ये फायदे

स्कै स्कैल्प सीरम एक खास उत्पाद है, जो बालों की जड़ों को मजबूत और स्वस्थ रखने में मदद करता है। यह सीरम बालों की जड़ों तक गहराई से पहुंचता है और उन्हें पोषण देता है। इसके नियमित उपयोग से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से बचते हैं। आइए जानते हैं कि स्कैल्प सीरम के इस्तेमाल से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

बालों की जड़ों को मिलता है पोषण : स्कैल्प सीरम में मौजूद पोषक तत्व बालों की जड़ों तक पहुंचते हैं और उन्हें जरूरी विटामिन्स और खनिज प्रदान करते हैं। इससे बालों की जड़ों को मजबूती मिलती है और वे टूटने से बचते हैं। नियमित उपयोग से बालों की सेहत में सुधार होता है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इसके अलावा सीरम बालों की जड़ों को नमी प्रदान करता है, जिससे वे चमकदार और मुलायम बनते हैं।

डैंड्रफ से मिलेगी छुटकारा
स्कैल्प सीरम डैंड्रफ की समस्या को भी दूर कर सकता है। इसमें मौजूद एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण डैंड्रफ के कारण होने वाले कीटाणुओं को खत्म करते हैं। इसके अलावा यह स्कैल्प की सफाई भी करता है और इसे स्वस्थ बनाए रखता है। नियमित उपयोग से स्कैल्प की नमी बनी रहती है और खुजली की समस्या भी कम होती है। इसके परिणामस्वरूप बालों की जड़ों में मजबूती आती है और वे टूटने से बचते हैं।

बालों का गिरना होगा कमः स्कैल्प सीरम बालों के गिरने की समस्या को कम करने में भी मदद करता है। इसमें मौजूद प्रोटीन और एमिनो एसिड बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं, जिससे वे गिरते नहीं हैं। इसके अलावा यह रक्त संचार को बढ़ाता है, जिससे बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व बेहतर तरीके से पहुंचते हैं। नियमित उपयोग से बालों की मात्रा में सुधार होता है और वे अधिक घने और मजबूत बनते हैं।

रूखे और बेजान बालों में आएगी जानः स्कैल्प सीरम रूखे और बेजान बालों में जान डालने में भी मदद करता है। इसमें मौजूद नमी देने वाले तत्व बालों को गहराई से नमी प्रदान करते हुए उन्हें मुलायम बनाते हैं। इसके अलावा यह सीरम बालों को चमकदार बनाता है, जिससे वे स्वस्थ दिखते हैं। इसके नियमित उपयोग से बालों की सेहत में सुधार होता है और वे टूटने से बचते हैं। इन सभी फायदों के लिए स्कैल्प सीरम को अपनी बालों की देखभाल रूटीन में जरूर शामिल करें।

नए बालों की होगी वृद्धि
स्कैल्प सीरम नए बालों की वृद्धि को बढ़ावा देने में भी सहायक होता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक तेल और जड़ी-बूटियों के तत्व नए बालों की जड़ों तक पहुंचते हुए उन्हें पोषण देते हैं। इसके अलावा यह सीरम बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है, जिससे नए बाल तेजी से बढ़ते हैं। नियमित उपयोग से बालों की सेहत में सुधार होता है और वे स्वस्थ दिखते हैं। इसके परिणामस्वरूप बालों की लंबाई और मोटाई में भी वृद्धि होती है।

पानी की कमी से परेशान कनिका महेश्वरी बोलीं-अब हर बूंद का हिसाब रखना पड़ता है

टी टीवी अभिनेत्री कनिका महेश्वरी ने मुंबई में बढ़ते जल संकट पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि पानी की कमी एक ऐसी समस्या है, जो लोगों की पूरी दिनचर्या बदल देती है। उन्होंने सरकार से इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की। कनिका महेश्वरी ने कहा, पानी की कमी का असर हर छोटे-बड़े काम को प्रभावित करता है। जब सुबह उठते ही यह चिंता हो कि खाना बनाने, सफाई करने या रोजमर्रा की साफ-सफाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा या नहीं, तब समझ आता है कि पानी जैसी जरूरी चीज कितनी अनमोल है। हम अक्सर शहर के विकास और बेहतर सुविधाओं की बात करते हैं, लेकिन सम्मानजनक जीवन की सबसे पहली जरूरत नियमित और साफ पानी है। कनिका ने कहा, लगातार पानी की कमी लोगों को अपनी जीवनशैली बदलने पर मजबूर कर देती है। पहले जहां लोग आराम से शॉवर लेते थे, वहीं अब पानी बचाने के लिए बाल्टी से नहाना पड़ता है। हर लीटर पानी सोच-समझकर इस्तेमाल करना पड़ता है। आप अपनी जरूरतों से ज्यादा पानी की खपत का हिसाब लगाने लगते हैं। यह परेशानी हजारों परिवार हर दिन झेलते हैं। जब तक कोई खुद इस स्थिति से नहीं गुजरता, तब तक उसके मानसिक बोझ को समझ पाना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि जल प्रबंधन को लंबे समय की योजना के रूप में देखा जाए। शहर लगातार बढ़ रहे हैं, इसलिए पानी की व्यवस्था भी उसी हिसाब से मजबूत होनी चाहिए। लोगों को हर बार पानी की कमी के हिसाब से अपनी जिंदगी ढालने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। साफ और नियमित पानी की आपूर्ति कोई सुविधा नहीं, बल्कि हर परिवार का बुनियादी अधिकार है। कनिका ने कहा, पानी बचाने की आदत सिर्फ संकट के समय नहीं होनी चाहिए। हमें रोजमर्रा की जिंदगी में भी पानी की बर्बादी रोकनी होगी। जहां रिसाव हो, उसे तुरंत ठीक कराना चाहिए। जितना संभव हो, पानी का दोबारा इस्तेमाल करना चाहिए और छोटी-छोटी सावधानियां अपनानी चाहिए। अगर हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझे तो हम मिलकर बड़ा बदलाव ला सकते हैं। आज बचाई गई हर बूंद आने वाले कल को सुरक्षित बना सकती है।

Sonowal unveils first Made in India EXIM shipping container, Maersk orders 1,000 of them

New Delhi,Agency: In a move aimed at reducing India's dependence on other countries for export-import (EXIM) containers due to any global disruption, shipping minister Sarbananda Sonowal on Friday launched India's first EXIM grade container.

Global shipping major AP Moller-Maersk placed an order for 1,000 India-manufactured shipping containers. The EXIM shipping container has been manufactured in India for the company at the Maersk-CONCOR Inland Container Depot in Dadri in Uttar Pradesh. "The unveiling of the first India-manufactured EXIM shipping container for a leading global shipping line is a defining milestone in our journey towards Atmanirbhar Bharat. It reflects the growing capabilities of India's manufacturing industry in India's manufacturing capabilities and our commitment to building world-class maritime infrastructure," Sonowal said.

Maersk placed the order for containers with DCM Shriram Group. The ministry said the first India-manufactured container has been produced in accordance with internationally accepted quality and safety standards, including ISO specifications and the International Convention for Safe Containers (CSC), making it suitable for global deployment.

This aligns with govt's efforts to promote domestic manufacturing through policy interventions, including the Rs 10,000 crore Container Manufacturing Promotion Scheme (CMPS) framework announced in the Budget for domestic container manufacturing.

Sonowal said the scheme envisages an annual manufacturing capacity boost by 10 times upto 7.5 lakh twenty-foot equivalent unit (TEUs), supported through capital assistance, operational incentives, research, testing and technology development.

Child slams J&K education minister in video, sparks outcry

Srinagar,Agency: A viral video of a 12-year-old child criticising J&K education minister Sakina Itoo took another turn Friday with Kashmir's chief cleric Mirwaiz Umar Farooq terming the remarks "impolite" and the govt-run Child Welfare Committee (CWC) summoning the news portal that first uploaded the clip.

CWC also ordered cops to take steps to get the clip removed and register an FIR. In the video, the child denounces Itoo for not announcing summer vacations in the Valley despite temperatures rising above 35 degrees Celsius. He is heard saying he "feels the minister may not have children who attend school and she herself might be sitting in an AC room". Summer vacations in schools in the Valley are usually announced by authorities for around two weeks in July-Aug, with the exact dates depending on the weather. The video has generated heated social media debate. Many have defended the child's views as free expression, praised his arguments and asked other children to emulate him, while others have criticised him for what they describe as a "troubling lapse in basic upbringing and social values".

Mirwaiz Farooq expressed unease. "Society must ask whether minor children should be exposed to social media in such a manner and used for public reactions without understanding the consequences," Mirwaiz told a gathering in Jamia Mosque after Friday prayers. CWC's notice said the child was "interviewed and recorded by representatives of the news portal without obtaining the informed consent of the parent/legal guardian and without the knowledge or permission of the concerned school authorities". CWC has directed the journalists to appear before it even as the portal submitted a written statement. Separately, CWC issued a fresh advisory prohibiting interviewing, filming and dissemination of videos involving children in ways that may compromise their privacy, dignity, safety or overall well-being.

"I took suo motu cognisance after I saw the viral video. At the time, I did not know the identity of the child, his parents or the school. The video had already gone viral," CWC chairperson Khair-ul-Nisa said.

Khair-ul-Nisa feared trouble for the child. "He may not even be able to return to school due to the attention the video has received. The journalists should have exercised greater discretion before uploading the video." According to the CWC chief, she identified the child's school from his uniform and directed its principal to appear Saturday for verification of facts.

Centre ready for elected UT body, Article 371-like safeguards, say Ladakh groups

Srinagar,Agency: Ladakh groups held Friday an "informal" meeting with Union home ministry (MHA) officials in Leh, described it as positive and declared the two sides had finalised draft minutes of previous talks in Delhi on May 22.

According to the finalised minutes, "while statehood will remain the long-term aspiration of Ladakh", a Union Territory (UT)-level elected body with executive, financial and legislative powers" will be set up. Also discussed were constitutional safeguards for Ladakh under the framework of Article 371 with an agreement to pursue a customised model most suitable for the UT.

Representatives of Leh Apex Body (LAB) and Kargil Democratic Alliance (KDA), the two main political groups in the region, were part of Friday's talks. LAB member and environmentalist Sonam Wangchuk did not attend as he was away in Delhi at a Cockroach Janata Party (CJP) protest.

MP man's life sentence for killing wife reduced over 'can have 1,000 husbands like you' remark HC calls it 'grave provocation'

New Delhi,Agency: The Madhya Pradesh high court has reduced the life sentence of a man convicted of killing his 7-month-pregnant wife to 7 years of rigorous imprisonment, holding that the assault was not premeditated but was triggered by a "sudden and grave provocation" after she allegedly told him she "can keep a thousand husbands" like him.

In its June 18 verdict, a division bench of Justices Vivek Agarwal and Avanindra Kumar Singh observed that the woman's remark was an indirect reference to the "worthlessness" of her husband, implying that "he has no value as a human being or a husband," and therefore could be treated as a case of sudden and grave provocation. According to the prosecution, Shiva Kahar, a resident of Chaurai block in Madhya Pradesh's Chhindwara district, killed his wife Kiran on September 18, 2021. Kiran, who was seven months pregnant at the time, died after Kahar allegedly struck her on the head with a stone during an argument.

WMO warns of rapid El Nino development during July-September

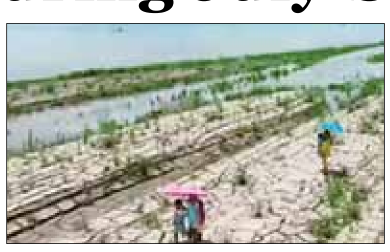

New Delhi,Agency: There doesn't appear to be any respite from El Nino's impact over the monsoon, with the latest update of World Meteorological Organisation (WMO) Friday indicating a "rapid development" of this climatic phenomenon during July-Sept, increasing the likelihood of heatwaves, droughts and other extreme weather events in many parts of the globe, including the Indian subcontinent.

India is already facing El Nino's influence with June recording a huge rainfall deficit of 40% for the month, affecting the ongoing sowing operations of almost all kharif (summer-sown) crops, thereby reducing the overall acreage in the country by around 23% compared to the corresponding period last year. El Nino - a naturally occurring climate pattern characterised by above-average sea-surface temperatures in the central and eastern equatorial Pacific Ocean - is invariably associated with a weak monsoon and a harsher summer in India. These events typically occur every two to seven years and usually last between nine and 12 months.

"El Nino conditions are already under way and are forecast to strengthen rapidly into a strong event... This will intensify the chances of drought and heavy rainfall and the risk of heatwaves on land and sea in many regions of the world," said WMO secretary general Celeste Saulo.

Though the rainfall deficit in India will gradually be reduced with the spread of monsoon over the entire country and due to other meteorological factors during July-Sept, the status of the kharif acreage will depend on both the quantitative as well as spatial distribution of rains in the 'monsoon core zone' - the rain-fed area where farming is largely dependent on seasonal rains.

The agriculture ministry's acreage data shows the total area sown at 182 lakh hectares as on June 25 - 23% less compared to 236 lakh hectares a year ago.

Child abuse ads on Instagram Govt to summon Meta

New Delhi,Agency: Government is set to summon Meta after reports alleged paid ads on Instagram promoted child sexual abuse material in India. IT minister Ashwini Vaishnaw has directed MeitY officials to seek a formal explanation from the company, sources said Friday.

Officials said MeitY will ask Meta to explain how Instagram's review systems cleared such ads, if checks were done before they went live, and what action was taken after the matter was flagged. MeitY may seek details of the company's ad-screening mechanism and safeguards to prevent a repeat.

AI used to detect abuse but crooks hide among our 3bn users: Meta A BBC investigation said Instagram showed paid promotions in India using explicit terms and links leading users to Telegram channels where child sexual abuse materials were allegedly being sold.

The report said the ads appeared on an India-based account and promotions had passed Instagram's moderation systems. Meta said it had disabled multiple ads and accounts and blocked violating URLs, stressing it has a "zero tolerance policy for soliciting or sharing CSAM (child sex abuse material), including in ads".

Bengaluru, Chandigarh, Delhi top average income: Report

NewDelhi,Agency: Bengaluru, Chandigarh and Delhi have the highest average income in the country, while Chandigarh, Thiruvananthapuram and Vadodara top the charts on average household spend, a report by data outfit PRICE and Tata Sons, accessed exclusively by Media, has shown. When it comes to overall demand, the country's top six cities - Delhi, Mumbai, Bengaluru, Kolkata, Chennai and Hyderabad - account for 46% of the total consumption and two-thirds of the urban consumption.

Within this, Delhi NCR is by far the biggest consumption base: At $126 billion it is as big as the combined heft of Mumbai and Bengaluru, which adds up to $134 billion. Now, that's because of the population, as NCR has 7.5 million households compared with 4.6 million in Mumbai.

When it comes to scale, NCR households annually spend over $33 billion on transportation - larger than Pune or Ahmedabad's total consumption market.

Top 100 cities drive 31% of consumption: The report, 'Many Urban Indias', by PRICE's Rajesh Shukla and Tata Sons' Rupa Purushothaman and Vishal Vaibhaw, has estimated data for 2025-26 on the basis of household-level microdata from the four PRICE's ICEO 360-degree surveys between 2014 and 2023 and supplemented it with numbers from govt surveys.

It estimated that India's top 100 cities account for less than a fifth of the population but generate over a third of the income and account for 31% of the consumption.

ED auctions for Rs 3 crore Hawker aircraft seized in ponzi case

New Delhi,Agency: In a first, ED has auctioned a Hawker 800A aircraft through a PSU, MSTC, for Rs 3 crore in a ponzi scam money laundering case of Rs 792 crore against Capital Protection Force and its promoter Amardeep Kumar. The aircraft was seized from Rajiv Gandhi International Airport, Hyderabad, in March last year.

The aircraft was auctioned Wednesday and the sum fetched will be used for restitution to "genuine investors in accordance with the PMLA" subject to the order of the special court, the agency said.

A money laundering investigation was initiated against Capital Protection Force, a Hyderabad-based company responsible for running a bogus invoice discounting scheme, Amardeep and others on the basis of three FIRs registered by the EOW of Cyberabad. Amardeep is the CMD of Falcon Group (Capital Protection Force).

Spouse accused of adultery can't invoke right to privacy, says SC

New Delhi,Agency: Right to privacy under Article 21 of the Constitution cannot be used as a shield to deny the spouse access to mobile call records and details of stay in a hotel to prove adultery, Supreme Court said on Friday as it rejected the plea of a man who alleged that disclosure of such information in his case is violative of his fundamental right.

A bench of Justices Manmohan and K Vinod Chandran upheld the order of Delhi high court, which ruled that right to privacy was not absolute and is subject to certain reasonable restrictions in cases where public interests are involved. HC relied on a constitution bench order of the apex court, which said the freedom to have a consensual sexual relationship outside marriage does not warrant protection under Article 21 of the Constitution.

This right of privacy under Article 21 of the Constitution of India has to be necessarily subject to reasonable restrictions, especially when the restrictions are in public interest. The Hindu Marriage Act specifically recognises adultery as a ground for divorce and, therefore, it would not at all be in public interest that the court should, on the ground of right to privacy, come to the aid of a married man who, during the subsistence of his marriage, is alleged to have indulged in sexual relationships outside his marriage," the high court held while approving the order of the family court, which directed furnishing of reservation details of his hotel stay and call detail records.

The husband thereafter moved SC, which did not find any error in the verdict and dismissed his appeal.